धनबाद, सोमवार
22 जून 2026
वर्ष : 03 अंक : 262
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

राहुल गांधी अचानक पहुंचे मैगी प्वाइंट, चाय-मैगी का उठाया लुत्फ

रायपुर, (एजेंसी) : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज रविवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर रायपुर पहुंचे, जहां उन्होंने अभनपुर में कांग्रेस के 10 दिवसीय संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लिया। उसके बाद वे शिविर से एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए लेकिन इस बीच अचानक नया रायपुर के मैगी पॉइंट पर रुके और चाय-मैगी का लुत्फ उठाया। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस के तमाम बड़े नेता भी मौजूद रहे।जानकारी के अनुसार, राहुल गांधी कांग्रेस के संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन में शामिल हुए और पार्टी पदाधिकारियों व नेताओं से संवाद किया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वे अभनपुर से स्वामी वि-वेकानंद एयरपोर्ट की ओर रवाना हुए।एयरपोर्ट जाते समय राहुल गांधी का काफिला अचानक नया रायपुर स्थित मैगी पॉइंट पर रुका। यहां उन्होंने चाय और मैगी का आनंद लिया।

सीजेपी का जंतर मंतर पर प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : सोशल मीडिया अभियान 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) का दूसरे दिन भी दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन जारी रहा। सीजेपी का कहना है कि वह रविवार रात को भी अपना प्रदर्शन जारी रखेगी।

अभियान के प्रमुख अभिजीत दिपके लगातार लोगों से उनके अभियान से जुड़ने की अपील कर रहे हैं। उनकी मांग है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए। रविवार को दिपके ने दिल्ली से सटे राज्यों के लोगों से जंतर-मंतर पर किए जा रहे प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया है।

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दिपके ने एक्स पर जारी वीडियो में कहा, ₹नाव ऑर नेवर (अब नहीं तो कभी नहीं)। अगर आज आप लोग घरों से बाहर नहीं निकले, तो सिस्टम को बदलने और जवाबदेही लाने की जो उम्मीद इस देश में जगी है, वह हमेशा के लिए मर जाएगी। इस उम्मीद को बचाए रखना केवल हमारी नहीं, बल्कि वीडियो देख रहे हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

सीजेपी प्रमुख ने कहा कि पुलिस किसी को रोक नहीं रही है, सभी को अंदर आने दिया जा रहा है। मैं दिल्ली पुलिस को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि वे संविधान का पालन कर रहे हैं और लोकतंत्र के साथ खड़े हैं।

पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे : नितिन नवीन

जालंधर, (एजेंसी) : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा है कि पंजाब में नशे के रूप में फैल रहे ₹चिट्टे₹ के जहर को हर हाल में समाप्त किया जाएगा और पंजाब से ड्रग्स का नामोनिशान मिटाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

नितिन नवीन ने रविवार को पंजाब के जालंधर स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में आयोजित योग कार्यक्रम में भाग लिया और सैकड़ों लोगों के साथ योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में हर पंजाबी को इस चिंता में भागीदार बनना होगा। पंजाब को नशामुक्त बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आना होगा। भाजपा नेता नितिन नवीन ने छात्रों को नशा विरोधी शपथ दिलाई। इस दौरान उन्होंने पंजाब में नशे की समस्या पर चिंता जताते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विजन से जोड़ा। पीएम मोदी के 2047 के विजन का जिक्र करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि भारत अब एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मार्गदर्शन कर रहा है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि देश के युवाओं को मजबूत और नशे से मुक्त रखना बेहद जरूरी है।

तमिलनाडु की सीफूड फैक्ट्री में अमोनिया गैस लीक, सात महिलाओं समेत 10 मजदूरों की मौत

चेन्नई, (एजेंसी) : पेरियापालयम के पास स्थित एक फैक्टरी में अमोनिया गैस रिसाव होने से सात महिलाओं समेत 10 मजदूरों की मौत हो गई है। महिलाओं की मौत पहले ही हो गई, लेकिन चेन्नई के स्टेनली अस्पताल में तीन और मजदूरों की मौत होने से अब इस हादसे में मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। तमिलनाडु स-रकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। साथ ही अस्पतालों में भर्ती कर्मचारियों के इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।तिरुवल्लूर जिले के पेरियापालयम के पास एक झींगा प्रसंस्करण (श्रिम्प प्रोसेसिंग) फैक्ट्री संचालित हो रही है। इसमें बड़ी संख्या में श्रमिक कार्यरत हैं। इसी दौरान 21 जून की सुबह जब श्रमिक काम कर रहे थे, तभी अचानक अमोनिया गैस का रिसाव हो गया। इसके कारण कई श्रमिकों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी। अमोनिया गैस रिसाव से प्रभावित होकर 7 महिलाओं की मौत हो गई। इसके बाद अमोनिया गैस रिसाव के कारण 45 से अधिक श्रमिक बेहोश हो गए। उन्हें तत्काल बचाकर मंजगरनै क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।जिला कलेक्टर एस. कविता ने बताया कि 46 मरीजों को वेल्स हॉस्पिटल और 21 मरीजों को वेंकटेश्वरा हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। इनमें से नौ गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए एम्बुलेंस के जरिए चेन्नई के सरकारी स्टेनली मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। बेहोश हुए कुछ लोगों के मुंह और नाक से खून भी बह रहा था। अस्पताल में उपचार के दौरान 2 श्रमिकों सहित कुल 3 लोगों की मौत हो गई। वर्तमान में कुछ लोग चेन्नई के स्टेनली अस्पताल में भी उपचार प्राप्त कर रहे हैं।तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। इस कठिन समय में उन्हें आवश्यक मानसिक शक्ति और स-हस प्राप्त हो, इसके लिए मैं प्रार्थना करता हूं। साथ ही उपचाराधीन सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होकर पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने की भी मैं कामना करता हूं।

इस आपात स्थिति की सूचना तत्काल अरक्कोनम स्थित राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआ-रएफ) के मुख्यालय को दी गई।

ग्लोबल स्किल्स चैलेंज में हिस्सा लेने ऑस्ट्रेलिया रवाना हुई 30 सदस्यीय भारतीय टीम, कौशल विकास मंत्रालय ने दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी) : शंघाई में होने वाली आगामी वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता की तैयारियों को तेज करते हुए कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने रविवार को ह्यटीम इंडियाह्न को ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले ह्यग्लोबल स्किल्स चैलेंजह्न (जीएससी) 2026 के लिए रवाना किया। इस कौशल अनुकरण (सिमुलेशन) अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए 15 प्रतियोगियों और 15 विशेषज्ञों (एक्सपर्ट्स) सहित कुल 30 सदस्यीय भारतीय दल हिस्सा ले रहा है। यह वैश्विक प्रतियोगिता 23 से 29 जून 2026 तक आयोजित की जा रही है।कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय ने रविवार को बताया कि वर्ल्डस्किल्स ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित होने वाला यह ग्लोबल स्किल्स चैलेंज पूरी तरह से शंघाई (चीन) में होने वाली 48वीं वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता की तर्ज पर तैयार किया गया एक अंतरराष्ट्रीय मंच है। यह आयोजन भाग लेने वाले देशों को अपने प्रदर्शन का आकलन करने, तैयारियों को परखने और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी वैश्विक माहौल में अपनी दक्षता को धार देने में मदद करता है। इसमें 15 कौशल श्रेणियों में भारतीय टीम अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी।

मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी ने कार्यक्रम में कहा कि ग्लोबल स्किल्स चैलेंज 2026 ऑस्ट्रेलिया केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि टीम इंडिया के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने, अपने कौशल को निखारने और शंघाई के लिए तैयार होने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने प्रतियोगियों को अपने विशेषज्ञों की बातों को ध्यान से सुनने, केंद्रित व अनुशासित रहने और हर सीखने के अवसर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि देश के लिए ये सभी पहले से ही विजेता हैं और मंत्रालय को उनकी इस यात्रा पर अत्यंत गर्व है।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के सीईओ अरुणकुमार पिल्लई ने कहा कि भारतीय दल के प्रत्येक उम्मीदवार ने भारत में सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए एक बेहद कठिन और प्रतिस्पर्धी यात्रा तय करके यह स्थान हासिल किया है।

उन्होंने कहा कि शंघाई प्रतियोगिता से पहले यह ग्लोबल स्किल्स चैलेंज अंतिम पड़ाव है और अब समय अधिक ध्यान, अनुशासन तथा दृढ़ संकल्प दिखाने का है। सभी प्रतिभागी अपनी ट्रेनिंग पर भरोसा रखेंगे और सितंबर 2026 में शंघाई के पोडियम पर खड़े होने के क्षण की कल्पना करते हुए सफलता हासिल करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पूरी ह्यस्किल इंडियाह्न फैमिली हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

झारखंड : पुलिस-पीएलएफआई उग्रवादियों में मुठभेड़ एरिया कमांडर सहित सात उग्रवादी गिरफ्तार

खूंटी, (एजेंसी) : झारखंड के खूंटी जिले में उग्रवाद विरोधी अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के एरिया कमांडर श्रवण दास को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से अवैध हथियार, कारतूस, संगठन से जुड़े दस्तावेज, प्रचार सामग्री और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए हैं।पुलिस के अनुसार, हथियारों की बरामदगी के लिए ले जाने के दौरान उसने भागने का प्रयास किया और पुलिस दल पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद हुई जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया। वर्तमान में उस-का इलाज रांची के रिम्स अस्पताल में चल रहा है।खूंटी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ऋषभ गर्ग ने र-विवार को जरियागढ़ थाना क्षेत्र के इंदवन में आयोजित प्रेस वार्ता में पूरी कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई का सक्रिय सदस्य श्रवण दास अलकेल से सुंदारी रोड पर अपने कुछ सहयोगियों के साथ क्षेत्र में किसी बड़ी उग्रवादी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने विशेष छापेमारी दल का गठन किया और संभावित ठिकानों पर निगरानी बढ़ा दी।एसपी ने बताया कि तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर श्रवण दास और उसके सात साथियों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से हथियार और कारतूस बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपितों में श्रवण दास उर्फ फगुवा दस, ग्राम निचितपुर, रनिया निवासी, सुदर्शन सोय उर्फ सुधीर सोय जामदा मुरहू, सलीम बोदरा उर्फ रोड़े, जिलंगबरु तपकरा, सामू डोडराय कुटम जरिया, विष्णु मांझी कुटाम जरिया, चर्चित गुड़िया हुजूर तपकरा और उमर खान सिलमा कर्रा शामिल हैं। प्रारंभिक पूछताछ में श्रवण दास ने स्वीकार किया कि उसने संगठन के उपयोग के लिए कुछ अतिरिक्त हथियार और गोला-बारूद विभिन्न स्थानों पर छिपाकर रखे हैं।इसके बाद पुलिस टीम उसे उसकी निशानदेही पर हथियारों की बरामदगी के लिए जरियागढ़ थाना क्षेत्र के इंदवन जंगल लेकर गई। वहां से छिपाकर रखे गए हथियारों और अन्य सामग्री को बरामद किया गया। इसी दौरान श्रवण दास ने मौके का फायदा उठाकर पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार भागने के क्रम में उसने एक सब-इंस्पेक्टर की सरकारी पिस्तौल छीन ली और पुलिस दल पर गोली चला दी।अचानक हुई इस घटना से वहां तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस ने पहले उसे आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन उसके नहीं मानने और लगातार खतरा पैदा करने पर आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी।

आधुनिकता और परंपरा के संतुलन से ही देश का समग्र विकास संभव : द्रौपदी मुर्मु

भारतीय संस्कृति, परंपरा और भाषाओं के प्रति सम्मान का भाव विकसित करना विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी : राष्ट्रपति

जबलपुर, (एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि शिक्षण संस्थान केवल डिग्री देने के केंद्र नहीं, बल्कि नवाचार, अनुसंधान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और रचनात्मक सोच के विकास के प्रमुख केंद्र होते हैं। विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपरा और भाषाओं के प्रति सम्मान का भाव विकसित करना भी विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। आधुनिकता और परंपरा के संतुलन से ही देश का समग्र विकास संभव है।राष्ट्रपति मुर्मु रविवार को मध्य प्रदेश के जबलपुर में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहीं थीं। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न संकायों में एक से अधिक स्वर्ण पदक अर्जित करने वाले 20 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किये और उपाधियों का वितरण किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 141 विद्यार्थियों को 240 स्वर्ण पदकों का वितरण किया गया। साथ ही 182 शोधार्थियों को पीएचडी सहित विभिन्न उपाधियां प्रदान कीं। कार्यक्रम के पूर्व राष्ट्रपति मुर्मु ने विश्विविद्यालय परिसर स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

राष्ट्रपति ने कहा कि जबलपुर विश्वविद्यालय का नाम वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर होना गर्व का विषय है। रानी दुर्गावती वीरता, स-हस, शौर्य और पराक्रम की प्रतिमूर्ति थीं और नारी शक्ति के लिए सदैव प्रेरणा स्त्रोत रहेंगी। उन्होंने महान वीरांगना को नमन करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय से जुड़े विद्यार्थियों और पूर्व छात्रों को जनजातीय समाज, वंचित वर्गों तथा विशेषकर बेटियों के सशक्तीकरण के लिए आगे आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जिस क्षेत्र में स्थित है, वहां जनजातीय और वनवासी संस्कृति की समृद्ध उपस्थिति है। ऐसे में यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं का दायित्व केवल अपने करियर तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने समाज और गांवों तक पहुंचकर वहां के लोगों का मार्गदर्शन भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार जनजातीय और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। कई बार लोगों को इन योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ लेने की प्रक्रिया का पता नहीं होता। ऐसे में शिक्षित युवाओं, विशेषकर जनजातीय समाज से आगे बढ़े युवक-युवतियों का कर्तव्य है कि वे अपने समाज के बीच जाकर लोगों को मार्गदर्शन दें।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत@2047 का सपना तभी साकार होगा, जब समाज के अंतिम व्यक्ति और पीछे छूटे समुदायों को भी विकास की मुख्यधारा में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की पहचान, संस्कृति, परंपरा और अस्मिता को बनाए रखना उतना ही आवश्यक है, जितना आधुनिक विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना। जनजातीय समाज के कौशल, पारंपरिक ज्ञान और शिल्प को आधुनिक शिक्षा, नवाचार और शोध से जोड़ने की आवश्यकता है। इस दिशा में विश्वविद्यालयों और अन्य शिक्षण संस्थानों को विशेष प्रयास करने चाहिए, जिससे जनजातीय ज्ञान परंपरा का व्यवस्थित अध्ययन हो सके और उसका लाभ व्यापक समाज तक पहुंचे। राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रमों में समाहित करने, नवाचार को प्रोत्साहन देने तथा डिजाइन इनोवेशन सेंटर के माध्यम से पेटेंट प्राप्त करने जैसे प्रयासों की सराहना की।

कोलकाता में तीन स्वदेशी युद्धपोत नौसेना को समर्पित, पीएम मोदी बोले- भारत अब रक्षा क्षेत्र में निर्माता बन रहा है

नई दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर आयोजित एक भव्य समारोह में भारतीय नौसेना के लिए तीन अत्याधुनिक स्वदेशी सैन्य जहाजों आईएनएस अग्रय, आईएनएस दूनागिरी और आईएनएस संशोधक को राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर नौसेना प्रमुख तथा वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री ने रिबन काटकर तीनों जहाजों का औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया।

आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने नौसेना और इन अभियानों से जुड़े वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और श्रमिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दुनिया इस बात की गवाह है कि समुद्री क्षमताओं के बिना कोई भी देश बड़ी ताकत नहीं बन सकता क्योंकि विकास, सुरक्षा और समृद्धि समुद्र से जुड़े हैं। आज दुनिया का ज्यादातर व्यापार समुद्र के रास्ते होता है और दुनिया को जोड़ने वाले डेटा के विशाल नेटवर्क भी समुद्र के नीचे से गुजरते हैं। भविष्य में जरूरी खनिज, गहरे समुद्र के संसाधन और ऊर्जा के नए स्त्रोत भी समुद्र से ही जुड़े होंगे।

इस बीच कार्यक्रम में तीनों सैन्य जहाजों के नौसेना में आधिकारिक प्रवेश के समय पारंपरिक बिगुल ध्वनि के साथ राष्ट्रीय ध्वज और नौसेना के ध्वज को फहराया गया। 21 जून को 'विश्व हाइड्रोग्राफी दिवस' के अवसर पर देश के सबसे उन्नत सर्वेक्षण पोत आईएनएस संशोधक को जलसेना का हिस्सा बनाया गया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर जहाजों का निरीक्षण किया और उन पर तैनात होने वाले चालक दल के सदस्यों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत केवल रक्षा उपकरणों का खरीदार बनकर नहीं रहना चाहता, बल्कि एक प्रमुख निमार्ता के रूप में उभर रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय नौसेना ने 40 से अधिक ह्यमेड इन इंडियाह्न युद्धपोत और पनडुब्बियां अपने बेड़े में शामिल की हैं। उन्होंने कहा कि आईएनएस विक्रांत से लेकर आज तक की यात्रा भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने रक्षा उत्पादन के आंकड़े साझा करते हुए बताया कि वर्ष 2014 में देश का रक्षा उत्पादन लगभग 40 हजार करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 1.8 लाख करोड़ रुपये हो गया है। वहीं रक्षा निर्यात 700 करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 40 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और भारतीय रक्षा उत्पाद आज लगभग 80 देशों में निर्यात किए जा रहे हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि देश समुद्री शक्ति के अगले स्तर पर पहुंचे। इसी के अनुरूप भारत जहाज निर्माण (शिपबिल्डिंग) क्षेत्र के लिए एक नई दृष्टि के साथ आगे बढ़ रहा है। हाल के वर्षों में अनेक नीतिगत सुधार किए गए हैं और घरेलू निर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए विशेष कदम उठाए गए हैं। शिपबिल्डिंग, जहाज मरम्मत और एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल) को एक बड़े राष्ट्रीय मिशन के रूप में देखा जा रहा है।उन्होंने कहा कि यह पोर्ट देश के पहले उद्योग मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर है और भारत आज जिस नए समुद्री युग की ओर बढ़ रहा है, उसमें पश्चिम बंगाल की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होने वाली है।

यहां बंदरगाहों, उद्योगों, प्रतिभा और कौशल की अपार क्षमता है जो समुद्री अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकती है। आने वाले समय में पश्चिम बंगाल भारत की ब्लू इकोनॉमी, मैरिटाइम मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और कोस्टल डेवलपमेंट का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

गोवा अवैध खनन मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, 1,023.85 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली, (एजेंसी) : गोवा के अवैध लौह अयस्क खनन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सलगांवकर समूह और उसके सहयोगियों (एवीएस समूह) से जुड़ी 1,023.85 करोड़ की चल एवं अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है।ईडी के पणजी आंचलिक कार्यालय ने 19 जून को जारी एक अंतरिम कुर्की आदेश के तहत यह कुर्की की। कुर्क की गई संपत्तियों में भारत में स्थित 459.10 करोड़ रुपये मूल्य की 99 अचल संपत्तियां, सिंगापुर में स्थित 471.32 करोड़ रुपये मूल्य की 31 अचल संपत्तियां और भारतीय कंपनियों में 93.42 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी शेयर शामिल हैं। ये संपत्तियां स्वर्गीय अनिल वासुदेव सलगांवकर की संपत्ति (उनकी प्रशासनिक श्रीमती लक्ष्मी अनिल सलगांवकर के माध्यम से), मैसर्स सलगांवकर माइनिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स शांतिलाल खुशालदास एंड ब्रदर्स प्रा-इवेट लिमिटेड, मैसर्स एस कांतिलाल एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स सलीथो ओर्स प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स वर्टेक्स न्यूटन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और मैसर्स सुवर्णरेखा पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर पंजीकृत हैं।ईडी ने बताया कि एजेंसी ने गोवा पुलिस की सीआईडी अपराध शाखा द्वारा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम (एमएमडीआर) के तहत दर्ज प्राथमिकी (एफआईआर) के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी। इस मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी 21 अप्रैल, 2014 और 7 फरवरी, 2018 के अपने फैसलों में स्पष्ट किया था कि गोवा में 22 नवंबर 2007 के बाद (नए खनन पट्टे जारी होने तक) किया गया सारा खनन अवैध और बिना कानूनी अधिकार के था।

ईडी ने बताया कि एजेंसी की जांच में खुलासा हुआ कि एवीएस समूह ने वर्ष 2007 से 2012 के दौरान कुल दस खनन पट्टों का संचालन किया और लौह अयस्क के अवैध निष्कर्षण, बिक्री व निर्यात से लगभग 2,492.95 करोड़ की अपराध की कमाई अर्जित की।अवैध रूप से निकाले गए इस अयस्क को बेहद कम कीमतों पर ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स (बीवीआई) में पंजीकृत शेल कंपनियों को निर्यात किया गया था। इन कागजी मध्यस्थ कंपनियों ने इस अयस्क को आगे चीन को बेच दिया, जिससे लगभग 2,744.89 करोड़ का अतिरिक्त विदेशी व्यापार लाभ कमाया गया। मामले में कुल अपराध की कमाई लगभग 5,237.84 करोड़ रुपये है।

इस धनराशि को बीवीआई और सिंगापुर स्थित शेल कंपनियों के माध्यम से विदेशों में चल-अचल संपत्तियां खरीदने में लगाया गया और इसका एक हिस्सा शेयर पूंजी के रूप में वापस भारत में भी भेजा गया। मामले में आगे की जांच अभी जारी है।

संक्षिप्त खबरें

नीट परीक्षा:आठ परीक्षा केंद्रों पर 2655 विद्यार्थी परीक्षा में हुए शामिल, 231 विद्यार्थी रहे अनुपस्थित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) रविवार को बोकारो जिला के आठ परीक्षा केंद्रों पर सफल, शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त हुआ।परीक्षा में 2655 विद्यार्थी शामिल हुए, जबकि 231 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। केंद्र में 2886 विद्यार्थियों के लिए तैयारी रखी गयी थी। सभी परीक्षा केंद्र पर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी सुबह 11 बजे से ही फूल एक्शन मोड में दिखे।भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती गयी थी।अपराह्न दो बजे के बाद से शाम पांच बजकर 15 मिनट तक सेंटर पर लगातार प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों का दल पहुंचता रहा।तैनात वरीय पुलिस अधिकारियों से लगातार डीसी अजयनाथ झा व एसपी नाथू सिंह मीणा जानकारी लेते रहे।डीसी श्री झा व एसपी श्री मीणा ने संयुक्त रूप से केंद्रीय विद्यालय नंबर वन सेक्टर चार व अपग्रेडेड राजकीयकृत प्लस टू उवि लकडाखंदा केंद्र का निरीक्षण किया।आठ परीक्षा केंद्रों पर प्रशासनिक अधिकारी व पुलिस अधिकारी सुबह से लेकर परीक्षा समाप्ति तक लगातार चक्कर लगाते रहे. परीक्षा केंद्र सेक्टर चार केंद्रीय विद्यालय नंबर वन, श्री महावीरजी प्लस टू हाई स्कूल बिजुलिया, डिस्ट्रिक्ट रामरूद्रा सीएम एसओई चास, सर्वोदय प्लस टू विद्यालय पिंड्राजोरा, प्लस टू हाई स्कूल पेटरवार, रेलवे कॉलोनी पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय नंबर तीन, केंद्रीय विद्यालय सीटीपीएस चंद्रपुरा व अपग्रेडेड राजकीयकृत प्लस टू हाई स्कूल लकडाखंदा में विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। नीट की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए सुबह से शाम तक पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी फूल एक्शन मोड में रहे। एसपी नाथू सिंह मीना, डीडीसी शताब्दी मजूमदार, एसी सुनील चन्द्र, डीपीआरओ रवि कुमार, डीटीओ मारूति मिंज, एसडीओ चास प्रांजल ढ़ांडा, एएसपी चास वेदांत शंकर, बेरमो एसडीओ मनोज कुमार, सिटी डीएसपी राजीव रंजन, नोडल पदाधिकारी सह डीईओ जगरनाथ लोहरा, बीडीओ चास डॉ प्रदीप कुमार, सीओ सेवाराम साहू, सभी इंस्पेक्टर, प्रतिनियुक्त वरीय पदाधिकारी, दंडाधिकारी डटे रहे।

ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की हुई मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला खरसावां जिले के कांड्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत कांड्रा टोल नाका के समीप ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत हो गई।मृतक की पहचान खरसावां के लखनडीह निवासी जयपाल सिंह लोहार (33) के रूप में हुई है। मृतक अपनी बाइक से कांड्रा जा रहा था तभी यह घटना घटी।घटना के बाद कांड्रा थाना की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया और ट्रक को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।घटना रविवार की शाम करीब 3:30 बजे की है।घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार मृतक युवक खरसावां प्रखंड के लखनडीह गांव का निवासी है।वह अपनी बाइक पर सुखी लकड़ी लादकर उसे बेचने कांड्रा बाजार की ओर जा रहा था।इसी दौरान कांड्रा टोल नाका के समीप पीछे से आ रहे ट्रक ने उसकी बाइक को अपने चपेट में ले लिया जिससे अनियंत्रित होकर वह गिर गया और ट्रक का पहिया उसके सिर पर चढ़ गई,जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

सीसीटीवी से बचना होगा मुश्किल, ट्रैफिक नियम तोड़ाने पर घर पहुंचेगा चालान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : घर से दो पहिया व चार पहिया वाहन लेकर निकले है। बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट व ओवर लोडिंग चल रहे हैं, तो सावधान हो जाइये।सडक पर चलते वक्त आपकी हर गतिविधि पर यातायात विभाग सीसीटीवी कैमरे से नजर रख रही है। चास, बोकारो से लेकर तेनुघाट तक सीसीटीवी का जाल बिछा है।अब यातायात पुलिस न आपको रोकेगी और न ही टोकेगी।यातायात नियम का उल्लंघन सीधे सीसीटीवी तय करेगी और आपके मोबाइल पर चालान का मैसेज चला जायेगा।यातायात विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है।जिले के कई प्रमुख चौक-चौराहों पर हाईटेक सीसीटीवी कैमरा शुरू कर दिया गया है।जो 24 घंटे वाहनों व चालकों पर नजर रख रही है।जैसे ही किसी ने ट्रैफिक नियम तोड़ा, सिस्टम खुद ही एक्टिव होगा।सरकार के तय नियमों के अनुसार ऑनलाइन जुमार्ना कट जायेगा।बोकारो पुलिस द्वारा फिलहाल चास के जोधाडीह मोड़, तलगड़िया, नया मोड़, जैनामोड़, पेटरवार व तेनुघाट सहित कई महत्वपूर्ण स्थानों पर कैमरे लगा दिये गये है। आने वाले दिनों में अन्य चिन्हित जगहों पर भी सीसीटीवी कैमरे का विस्तार होगा। ट्रैफिक डीएसपी अजय प्रसाद ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे सिर्फ निगरानी नहीं करेंगे, बल्कि ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन की स्वतः पहचान कर कार्रवाई भी करेंगे।अब बिना हेलमेट, सीट बेल्ट की अनदेखी, गलत पार्किंग या रेड लाइट जंप जैसी गलती सीधे जेब पर असर डालेगी।

योग से मानसिक शांति व सकारात्मक उर्जा का संचार होता है: डीआरएम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : चक्रधरपुर स्थित रेलवे ऑफिसर क्लब में रविवार को आयुष मंत्रालय की ओर से 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस योगाभ्यास कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चक्रधरपुर मंडल रेल प्रबंधक तरुण हुरिया व विशिष्ठ अतिथि दक्षिण पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन (सर्बो) अध्यक्ष डॉ निक्की हुरिया थे। डीआरएम श्री हुरिया ने कहा कि योग से मानसिक शांति व सकारात्मक उर्जा का संचार होता है।नियमित योगाभ्यास से कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है। उन्होंने योग को अपनी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की है।रेलकर्मियों को नियमित योगाभ्यास के लिये प्रेरित किया। प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक राजेंद्र सालुजा व विनोद भगेरिया ने निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार रेलकर्मियों को योगाभ्यास कराया। जिसके निदेशन में रेलकर्मियों ने त्रिकोणासन, भद्रासन, शशांकासन, भुजंगासन, शवासन व अन्य योगासन व अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी प्रणायाम का अभ्यास कराया गया।योग प्रशिक्षकों ने हर आसन व प्राणायाम की जानकारी दी।बताया कि नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति शारीरिक व मानसिक रुप से स्वस्थ्य रहता है, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है। जिससे शरीर निरोग व स्वास्थ्य रहता है। कार्यक्रम के अंत में डीआरएम श्री हुरिया ने योग प्रशिक्षकों को पौधा व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

मारपीट में युवक घायल, दो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : जीएम ऑफिस अरगड्डा निवासी अभिजीत कुमार दास ने रामगढ़ थाना में आवेदन देकर मारपीट का आरोप लगाया है।उनकी शिकायत पर बुध बाजार सिरका निवासी विशाल कुमार व देव रवानी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है।आवेदन में कहा गया है कि 19 जून की शाम करीब 5:30 बजे वह अपने दोस्तों के साथ अरगड्डा स्थित काजू बागान के जंगल में जन्मदिन मना रहे थे। इसी दौरान दोनों आरोपित वहां पहुंचे और लाठी तथा बेल्ट से हमला कर दिया। हमले में उनका सिर फट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर न्यायिक पदाधिकारियों और न्यायिक कर्मियों ने किया योग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : नालसा नई दिल्ली एवं झालसा रांची के निदेर्शानुसार व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा श्री राजकमल मिश्रा के मार्गदर्शन में 21 जून को व्यवहार न्यायालय परिसर, मंडल कारा, वृद्धाश्रम, जिले के विभिन्न पंचायतों, गांवों, विद्यालयों सहित अन्य स्थानों पर योग दिवस पर योग शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सभी न्यायिक पदाधिकारी, न्यायिक कर्मी सहित अन्य लोगों ने योग किया। वहीं योग शिविर का शुभारंभ पीडीजे सह अध्यक्ष डालसा राजकमल मिश्रा सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में योग प्रशिक्षक के रूप में प्रवीण कुमार भारती, अभय भारती, गरिमा भारती, और खुशी भारती उपस्थित रहे। उन्होंने शिविर में उपस्थित लोगों को योग से होने वाले लाभ के बारे में बताया। साथ ही विभिन्न प्रकार के योगाभ्यास कराए। वहीं पीडीजे सह अध्यक्ष डालसा राजकमल मिश्रा ने कहा कि योग हमारे स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है। योग न केवल शरीर स्वस्थ रखता है बल्कि मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि योग केवल एक दिन का अभ्यास नहीं है बल्कि इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने सभी न्यायिक पदाधिकारियों और जिलावासियों से

स्वस्थ, तनावमुक्त और ऊजार्वान कार्य-वातावरण के लिए नियमित योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लेने की बात कही। वहीं योग प्रशिक्षक प्रवीण कुमार भारती ने कहा कि योग हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण अभ्यास है। यह हमारे अंदर परिवर्तन ला सकता है। वर्तमान समय में रोगों से बचना काफी चुनौतीपूर्ण हो गया है। कहा कि योग हमारे लिए काफी लाभदायक है। योग हमें खुद से जोड़ता है। साथ ही योग हमारे अंदर स्थित बुराइयां और नकारात्मक विचारों को दूर करता है। वहीं मंडलकारा में आयोजित कार्यक्रम में डालसा सचिव श्री मनोरंजन कुमार, एलएडीसीएस चीफ नसीम अंसारी व सहायक नारायण साहू उपस्थित रहे। जहां उन्होंने मंडलकारा में बंद बंदियों के साथ योगाभ्यास किया। साथ ही योग से होने वाले फायदे के बारे में बताया। वहीं उन्होंने नालसा और झालसा द्वारा संचालित योजनाओं के बारे बताया। साथ ही सदर प्रखंड अंतर्गत मनहो गांव में स्थित वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धों ने योगाभ्यास किया। इस दौरान एलएडीसीएस डिप्टी चीफ श्री उमेश कुमार, सहायक सुदामा साहू, पीएलवी जितेंद्र राम, विकास ठाकुर, अरविंद वर्मा, जॉन एक्का, अशोक साहू सहित अन्य ने योगाभ्यास किया। साथ ही योग से होने वाले लाभ के बारे में बताया। वहीं डालसा लोहरदगा में कार्यरत पीएलवी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में योग शिविर का आयोजन किया गया। जहां पीएलवी द्वारा शिविर में उपस्थित बच्चों, युवाओं, युवतियों, महिलाओं और वृद्धों को योगाभ्यास कराया गया। साथ ही उन्होंने बताया कि योग करने से काफी लाभ है। योग करने से शरीर और मस्तिष्क स्वस्थ रहते है। योग कई तरह के बीमारियों से छुटकारा दिलाता है। वहीं उन्होंने शिविर में उपस्थित लोगों को नालसा और झालसा की योजनाओं के बारे में बताया। साथ ही डालसा द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में जानकारी दी।। मौके पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय प्रेमलता त्रिपाठी, डीजे प्रथम स्वयंभू, डीजे द्वितीय नीरजा आसरी, पीएलए चेयरमैन शिव कुमार, सीजेएम केके मिश्रा, डालसा सचिव मनोरंजन कुमार, सिविल जज सीनियर डिविजन सह जेएम प्रथम क्लास रोहित कुमार, रजिस्टार व्यवहार न्यायालय अमित कुमार गुप्ता, सिविल जज जूनियर डिवीजन जया स्मिता कुजूर, न्यायिक कर्मी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

योग सदियों से भारतीय संस्कृति और जीवन पद्धति का रहा अहम हिस्सा

रांची, : 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को रांची विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती दीक्षांत मंडप में भव्य कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, एनएसएस स्वयंसेवकों, योग प्रशिक्षकों और योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे परिसर में योग के प्रति जागरूकता और सकारात्मक ऊर्जा का माहौल देखने को मिला। इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग रखी गई है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक योग शुरू करने से पहले स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि योग सदियों से भारतीय संस्कृति और जीवन पद्धति का अहम हिस्सा रहा है। वर्तमान समय में बढ़ते तनाव और मानसिक दबाव के बीच योग लोगों को मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। उन्होंने लोगों को योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ जीवन के लिए योग अपनाने का संदेश दिया और कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है और मन को भी शांति मिलती है।वहीं योग करने आए लोगों ने कहा कि डिजिटल युग में बढ़ता स्क्रीन टाइम लोगों के स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है। ऐसे समय में योग शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति को अनुशासित जीवन जीने की प्रेरणा देता है और आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मदद करता है। इस अवसर पर योगासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। अतिथियों ने उन्हें प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धियों की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे खिलाड़ियों की सफलता युवा पीढ़ी को योग अपनाने और स्वस्थ जीवनशैली की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करती है।कार्यक्रम में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया। योगाभ्यास के जरिए स्वस्थ जीवनशैली, अनुशासन और मानसिक शांति का संदेश दिया गया।

दाह-संस्कार से लौट रहे एक व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत, दूसरा गंभीर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : चाईबासा-चक्रधरपुर मुख्य मार्ग पर मुफस्सिल थाना अंतर्गत उलुगुटु के पास तेज रफ्तार बाइकपुलिया के रेलिंग में टकरा कर सड़क किनारे अर्द्धनिर्मित नाली में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी. जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना रविवार दिन के करीब डेढ़ बजे की है। मृतक की पहचान खरसावां थाना क्षेत्र के पोटोबेड़ा गांव निवासी अमित कुमार स्वाई (45) और घायल की पहचान राउरकेला के बसंती कॉलोनी निवासी आशीष डोगोरा (42) के रूप में हुई।अमित कुमार स्वाईं के मौत होने पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर मुफस्सिल थाना के पुलिस घटना पहुंची और घायलों को उपचार कराने के लिए सदर अस्पताल चाईबासा लाया और बाइक को जब्त कर थाना लाया गया।अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच करने पर अमित कुमार स्वाईं को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल आशीष कुमार डोगोरा को बेहतर इलाज के लिए हाईयर सेंटर रेफर कर दिया। परिजनों ने उसे राउरकेला ले जाया गया।इधर सदर थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों सौंप दिया गया।मृतक अमित कुमार स्वाईं चक्रधरपुर में रेलवे गार्ड में कार्यरत थे।घटना की जानकारी मिलने में मृतक के साथी रेल कर्मी समेत उनके रिश्तेदार सदर अस्पताल पहुंचे।मृतक अमित कुमार स्वाईं चक्रधरपुर के कुम्हारटोला में रहते थे।लोगों ने बताया कि मृतक अमित कुमार स्वाईं अपने फूफा का निधन होने पर चाईबासा आये थे। शमशान घाट में दाह-संस्कार के बाद वह अपने शाला आशीष डोगरा केसाथ बाइक पर सवार होकर घर चक्धंरपुर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उलुगुटु गांव के पास पुलिया के रैलिंग में बाइक टकरा जाने से अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बन रहे अर्द्धनिर्मित नाली में दोनों शाला-बहनोई गिर पड़े।चिकित्सकों ने बताया कि घायल आशीष डोगोरा का हाथ और पैर टूट गया है तथा गर्दन और शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोट आयी है।उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।लोगों ने बताया कि मृतक के दो बेटा है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में विश्व योग दिवस पर योगाभ्यास

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : जिला विधिक सेवा प्राधिकार चाईबासा, जिला आयुष समिति पश्चिमी सिंहभूम एवं करां सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व योग दिवस के अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, जगन्नाथपुर में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आयुष चिकित्सक डॉ. निशा, योग प्रशिक्षक, विद्यालय के शिक्षक, अधिकार मित्र तथा बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लेकर योगाभ्यास किया। इस दौरान योग के महत्व और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

नीट परीक्षा:गढ़वा में 92.8% परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा, डीसी और एसपी ने केंद्रों का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : गढ़वा जिले में री-नीट परीक्षा पूरी तरह से शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और कदाचारमुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हो गई है।परीक्षा के दौरान सुरक्षा, पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस का अमला पूरे समय अलर्ट मोड पर सक्रिय रहा। इस परीक्षा को लेकर जिले के तीनों केंद्रों पर कुल 1,148 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 1,066 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 82 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।परीक्षा के सफल और पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने खुद कमान संभाली और गढ़वा अनुमंडल क्षेत्र के अंतर्गत बनाए गए सभी परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।इस दौरान दोनों शीर्ष

अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा घेरे, परीक्षार्थियों की बायोमेट्रिक जांच, प्रवेश प्रक्रिया, मूलभूत सुविधाओं और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के परीक्षा संचालन संबंधी नियमों का बारीकी से अवलोकन किया।केंद्रों पर सुरक्षा और निष्पक्षता को लेकर की गई मुस्तैद व्यवस्थाओं पर अधिकारियों ने पूर्ण संतोष व्यक्त किया।गौरतलब है कि जिले में री-नीट परीक्षा के आयोजन को लेकर गढ़वा अनुमंडल क्षेत्र के अंतर्गत तीन प्रमुख शिक्षण संस्थानों राजकीयकृत गोविन्द +2 उच्च विद्यालय, श्री सदगुरु जगजीत सिंह नामधारी कॉलेज तथा केंद्रीय विद्यालय, गढ़वा को परीक्षा केंद्र बनाया गया था।इन सभी केंद्रों पर कदाचारमुक्त माहौल बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों, महिला व पुरुष पुलिस बल की मुस्तैद प्रतिनियुक्ति की गई थी।सफल परीक्षा संचालन के बाद उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात सभी दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों, वीक्षकों और सहकर्मियों के समन्वित प्रयासों की सराहना की।इसके साथ ही उन्होंने परीक्षा को बेहद अनुशासित और गरिमापूर्ण माहौल में संपन्न कराने में बहुमूल्य सहयोग देने के लिए सभी परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों के प्रति भी आभार प्रकट किया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि संपूर्ण परीक्षा प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता, अनुशासन और नियमों के तहत संपन्न कराई गई है, जिससे परीक्षार्थियों को एक बेहतर और तनावमुक्त वातावरण मिल सका।

वनांचल कांकास्ट फैक्ट्री में मजदूर की संदिग्ध मौत, परिजनों को मिला 13 लाख रुपये मुआवजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड के बनतारा स्थित वनांचल कांकास्ट प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में कार्यरत एक मजदूर की शनिवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी।घटना के बाद फैक्ट्री परिसर और अस्पताल में देर रात तक हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा।मुआवजा, नौकरी और पेंशन की मांग को लेकर परिजनों तथा स्थानीय लोगों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर दबाव बनाया।कई दौर की वार्ता के बाद मृतक के परिजनों को 13 लाख रुपये मुआवजा देने पर सहमति बनी।फैक्ट्री प्रबंधन के अनुसार मृतक विदेशी मंडल (40 वर्ष), निवासी इचागढ़, पिछले छह-सात वर्षों से वनांचल कांकास्ट प्राइवेट लिमिटेड के मेंटेनेंस विभाग में कार्यरत था।शुक्रवार रात उसकी ड्यूटी थी। बताया गया कि शनिवार दोपहर अचानक उसकी तबीयत खराब हो गयी।इसके बाद उसे इलाज के लिए चितरंजन सेवा सदन, गोला ले जाया गया। वहां से बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया गया।इसके बाद उसे गोला-मुरी रोड स्थित डभातू के आशीर्वाद नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक अपने पीछे पत्नी और दो पुत्रों को छोड़ गया है।घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन, ग्रामीण एवं स्थानीय लोग फैक्ट्री और अस्पताल पहुंच गये। परिजनों ने 10 लाख रुपये मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी तथा पेंशन की मांग रखी।वहीं फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से प्रारंभिक तौर पर पांच लाख रुपये सहायता राशि देने की बात कही गयी।मांग और प्रस्ताव के बीच बड़ा अंतर होने के कारण देर रात तक वार्ता का दौर चलता रहा।घटना की जानकारी मिलने पर जेएलकेएम महासचिव संतोष चौधरी, कांग्रेस, आजसू सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की।कई घंटों तक चले गतिरोध के बाद रात करीब साढ़े तीन बजे समझौता हुआ।वार्ता के बाद मृतक के परिजनों को 13 लाख रुपये मुआवजा देने का निर्णय लिया गया। प्रबंधन की ओर से तत्काल 1 लाख 50 हजार रुपये नगद तथा 11 लाख 50 हजार रुपये का चेक परिजनों को सौंपा गया।मृतक के परिजनों को मुआवजा दिलाने में कांग्रेस नेता अमित महतो, संतोष सोनी, जेएलकेएम नेता संतोष चौधरी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका बतायी जा रही है।फैक्ट्री के प्रबंधक विष्णु बांका ने बताया कि मजदूर की अचानक तबीयत खराब हो गयी थी।उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गयी। उन्होंने कहा कि प्रबंधन की ओर से मानवीय आधार पर मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी गयी है।घटना के बाद क्षेत्र में कुछ स्थानीय नेताओं की भूमिका को लेकर भी चचाएं होती रहीं। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा रही कि प्रारंभिक दौर में कुछ लोग कम राशि पर समझौता कराने की कोशिश कर रहे थे।हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।वहीं बाद में वार्ता में शामिल अन्य जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं के हस्तक्षेप के बाद मुआवजे की राशि बढ़ाकर 13 लाख रुपये तय की गई।घटना के बाद फैक्ट्री की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर चर्चा में आ गयी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व में भी इस प्लांट में कार्यरत कई मजदूरों की मौत हो चुकी है।मजदूर संगठनों और सामाजिक कार्यकताओं का आरोप है कि सुरक्षा मानकों के पालन में गंभीरता नहीं बरती जा रही है।कांग्रेस नेता अमित महतो ने कहा कि फैक्ट्री में लगातार मजदूरों के साथ दुर्घटनाएं हो रही हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि मजदूरों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराये जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक माह के भीतर सुरक्षा किट और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं करायी गयीं तो फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन चलाया जायेगा तथा आवश्यकता पड़ने पर तालाबंदी भी की जायेगी।मजदूर की मौत के बाद आशीर्वाद नर्सिंग होम भी प्रशासनिक जांच के दायरे में आ गया। घटना की सूचना मिलने पर सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार ने अस्पताल का निरीक्षण किया।जांच के दौरान अस्पताल में कई अनियमितताएं पायी गयीं।अधिकारियों के अनुसार अस्पताल का वैध निबंधन उपलब्ध नहीं था तथा निरीक्षण के समय एमबीबीएस चिकित्सक की उपस्थिति भी नहीं पायी गयी।इसके अलावा अस्पताल संचालन से संबंधित कई अन्य कमियां भी सामने आयीं।इसके बाद सिविल सर्जन ने अस्पताल को सील करने का निर्देश दिया।रविवार को सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार के आदेश पर डभातू स्थित आशीर्वाद नर्सिंग होम को सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आशुतोष त्रिपाठी, सीआई लक्ष्मण मुंडा, एसआई स्वामी रंजन ओझा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।सिविल सर्जन ने बताया कि मृतक के नाम से जारी डेथ सर्टिफिकेट में एमबीबीएस केके सिंह का नाम अंकित था, लेकिन संबंधित योग्यता के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये गये।उन्होंने कहा कि अस्पताल संचालक केके सिंह को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जायेगा।इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।साथ ही उनके खिलाफ मामला दर्ज करने की भी प्रक्रिया शुरू की जा रही है।जानकारी के अनुसार उक्त अस्पताल पूर्व में आदिति नर्सिंग होम के नाम से संचालित होता था। जून 2024 में झारखंड क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत राज्य एवं जिला स्तरीय संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान इस अस्पताल सहित वरदान अस्पताल को सील किया गया था। बाद में आशीर्वाद नर्सिंग होम के नाम से पुनः संचालन शुरू किया गया।ताजा मामले के बाद एक बार फिर अस्पताल प्रशासनिक कार्रवाई के घेरे में आ गया है।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

योग जीवन शैली , मन और शरीर को सही दिशा देता है : सुमंत कुमार मिश्रा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर एवं द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की धनबाद शाखा के संयुक्त तत्वाधान में राजकमल विद्यालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। 90 मिनट के इस कार्यक्रम को योग शिक्षक एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट राजेंद्र शाह ने संचालित किया।

विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा ने बताया कि योग से शरीर एवं मस्तिष्क दोनों पुष्ट होते हैं । हमें अपने जीवन में योग को उतारना चाहिए। प्रत्येक दिन नियमित योग व्यायाम से व्यक्ति को बहुत लाभ मिलते हैं ।शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग अत्यावश्यक है।

इस योग कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, उप प्राचार्य,उप प्राचार्या ,प्रभारी गण एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने योग किया। लगभग 300 की संख्या में लोगों ने भाग लिया।

विद्यालय के शारीरिक शिक्षक आलोक चौधरी, गौरी शंकर सिंह, वेणु रानी, चंदन कुमार, कुसुम कुमारी ने इस कार्यक्रम के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्कृत शिक्षक श्री गोपाल कुमार ने दैनिक जीवन में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम कांत में विद्यालय के शारीरिक शिक्षिका अंजली कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन की ।

इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा, द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया धनबाद ब्रांच के चेयरमैन सी ए मुकेश कुमार अग्रवाल, उप प्राचार्य मनोज कुमार , प्रभारी प्रतिमा चौबे ,कमलनयन, पार्थ सारथी सरकार, सुमोना दीक्षित एवं छंदा बनर्जी समेत सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे ।

धनबाद में नीट परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, छात्रों ने कहा- पिछली बार से टफ था पेपर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद में रविवार को आयोजित नीट (यूजी) परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई। जिले के 7 परीक्षा केंद्रों पर बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा खत्म होने के बाद केंद्रों से बाहर निकले छात्र-छात्राओं ने बताया कि इस बार सुरक्षा व्यवस्था काफी सख्त थी।परीक्षार्थियों के मुताबिक पिछले परीक्षा की तुलना में इस बार का पेपर थोड़ा कठिन रहा। बायोलॉजी और केमिस्ट्री के सवाल मध्यम स्तर के थे, जबकि फिजिक्स के प्रश्न काफी लंबे और उलझाने वाले थे।छात्रों ने कहा कि पिछले पेपर लीक विवाद और दोबारा परीक्षा होने की वजह से मानसिक दबाव बना हुआ था। कम समय में दोबारा तैयारी करनी पड़ी, जिससे परेशानी हुई। अब परीक्षार्थियों ने उम्मीद जताई है कि इस बार परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष रहे और किसी तरह की गड़बड़ी न हो।

नीट परीक्षा को लेकर धनबाद में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, आम आदमी पार्टी ने गांधी सेवा सदन में की सफलता की प्रार्थना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद जिले में नीट परीक्षा के सफल और शांतिपूर्ण संचालन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद नजर आई। जिले के 7 परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। वहीं, कदाचार मुक्त परीक्षा और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना को लेकर आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने गांधी सेवा सदन पहुंचकर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण कर प्रार्थना सभा का आयोजन किया।नीट परीक्षा को लेकर धनबाद पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष तैयारी की है। सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। वरीय पुलिस अधिकारी लगातार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे।सिटी एसपी रित्विक श्रीवास्तव ने बताया कि कदाचार मुक्त परीक्षा के लिए सभी सेंटरों पर तीन लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के साथ परीक्षा केंद्रों की गहन जांच भी की गई है। उन्होंने परीक्षार्थियों से अपील की कि वे किसी भी तरह की चिंता छोड़कर पूरी एकाग्रता के साथ परीक्षा पर ध्यान दें।वहीं नीट परीक्षा के सफल संचालन को लेकर आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने गांधी सेवा सदन पहुंचकर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर दीप जलाया और माल्यार्पण कर प्रार्थना की।आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता भास्कर सुमन ने कहा कि देशभर में होने वाली नीट परीक्षा के सफल संचालन और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले नीट पेपर लीक जैसी घटनाओं से कई छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ, इसलिए इस बार परीक्षा पूरी पारदर्शिता और कदाचार मुक्त तरीके से हो, यही कामना है।उन्होंने कहा कि सरकार को पेपर लीक मामले में सख्त कार्रवाई करनी चाहिए थी। छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए परीक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की जरूरत है।वहीं आम आदमी पार्टी के जोनल प्रभारी विधान चंद्र राय ने भी कहा कि छात्र मेहनत के दम पर अपने सपनों को पूरा करना चाहते हैं, इसलिए परीक्षा व्यवस्था निष्पक्ष और सुरक्षित होना जरूरी है।फिलहाल धनबाद में नीट परीक्षा को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

शुद्ध मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूती का आधार : अमर कुमार बावरी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : जिले के बाघमारा प्रखंड के दरीदा स्थित सावित्री पैलेस में रविवार को भारतीय जनता पार्टी बाघमारा विधानसभा की ओर से बीएलए-2 मतदाता पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छह मंडलों के 355 बूथों के बीएलए-2 कार्यकताओं को मतदाता सूची पुनरीक्षण, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने तथा त्रुटियों के सुधार की प्रक्रिया की जानकारी दी गयी।

मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री अमर बाउरी ने कहा कि शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। उन्होंने कार्यकताओं से घर-घर संपर्क कर योग्य मतदाताओं का नाम सूची में दर्ज कराने तथा अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र का कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रहे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक योग्य नागरिक को मतदान का अधिकार सुनिश्चित करना पार्टी की प्राथमिकता है।इससे पूर्व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मौके पर मंडल अध्यक्ष बलिराम चौहान, राजू शर्मा, सोनू श्रीवास्तव, नागेश्वर सिंह, सूर्यदेव मिश्रा, सुधीर चौहान, किशुन महतो, गोपाल सिंह, सत्यनारायण पांडेय, दिनेश रवानी, संजय पांडेय, बिरजू रवानी, संतोष गोराई, दूधनाथ गोप, शिवांश श्रीवास्तव, धनेश्वर महतो, बच्चू राय, अनिल उपाध्याय, उदय शंकर दुबे, मंटू कुम्हार, अनीता देवी, ललिता देवी, शीला देवी, सुनीता देवी, सपना देवी एवं गीता देवी समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धनबाद में पहली बार आयोजित हुआ आम महोत्सव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद में पहली बार जिला प्रशासन की ओर से आम महोत्सव का आयोजन किया गया। डीसी आदित्य रंजन ने इसका उद्घाटन किया। मौके पर एसएसपी प्रभात रंजन तथा जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह भी मौजूद थे।

रविवार को बैंक मोड़ स्थित डीएमसी मॉल में इसका आयोजन किया गया था। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी की ओर से इसका आयोजन किया गया था।

उद्घाटन के बाद डीसी ने सभी स्टॉल का भ्रमण किया एवं आम की विभिन्न प्रजातियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि आम महोत्सव के आयोजन का उद्देश्य सीधे किसानों से लोगों के घर तक ऑर्गेनिक तरीके से पके आम पहुंचना है। साथ में स्थानीय आम उत्पादकों एवं स्वयं सहायता समूहों को बाजार से जोड़ने तथा उनके उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाने के उद्देश्य से भी इसका आयोजन किया गया है।

आम महोत्सव में लोगों का भारी उत्साह और खरीददारों की भारी भीड़ को देखते हुए डीसी ने कहा कि यह स्पष्ट संकेत है कि लोगों ने आम को बहुत पसंद किया है। इसलिए किसानों को हर सहायता प्रदान कर आम की उपज को दुगना करना प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी।

उन्होंने कहा कि नरेगा से 5 एकड़ भूमि पर आम बागवानी करने वाले किसानों को डीएमएफटी से पानी का स्रोत उपलब्ध कराया जाएगा। इससे उनकी उपज और आमदनी में वृद्धि होगी। साथ में बताया कि जिले के बलियापुर, निरसा सहित अन्य हाट बाजारों का उन्नयन कर उसे उत्कृष्ट बाजार बनाया जाएगा। जिसमें सारी व्यवस्था सुदृढ़ रहेगी।

डीसी ने कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने, स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने तथा किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों की आय में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आम उत्पादकों एवं महिला स्वयं सहायता समूहों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें गुणवत्तापूर्ण उत्पादन एवं विपणन के लिए प्रोत्साहित किया।

आम महोत्सव में गोविंदपुर किसान साथी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, बलियापुर कृषि उत्थान महिला प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, पलाश मार्ट, निरसा नारी शक्ति कृषि उत्थान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, जय धरती मां फाउंडेशन ने अपने-अपने स्टाल लगाए थे। वहीं लंगड़ा, दशहरी, आम्रपाली, सिंदूरी, मल्लिका, मियाजाकी, चौसा, भागलपुरी रानी सहित अन्य प्रजाति की आम देखने को मिले।

मौके पर उप विकास आयुक्त श्री सन्नी राज, नगर आयुक्त आशीष गंगवार , सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद, जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा, जेएसएलपीएस के डीपीएम सुदिप्ता बनर्जी, संतोष कुमार, अमर कुमार श्रीवास्तव के अलावा बड़ी संख्या में प्रशासन के कर्मी और आम नागरिक मौजूद थे।

दिनदहाड़े आटा मिल कर्मी की गोली मारकर हत्या, बाइक सवार बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद के गोंदूडीह ओपी क्षेत्र में रविवार दोपहर एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। खेरकाबाद स्थित 7 नंबर हिलटॉप आउटसोर्सिंग के समीप बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने एक आटा मिल कर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान झरिया थाना क्षेत्र के बस्ताकोला निवासी 45 वर्षीय उमेश यादव के रूप में हुई है।बताया जा रहा है कि उमेश यादव गोधर स्थित आटा मिल में पिछले कई वर्षों से काम कर रहे थे और मिल के पैसा कलेक्शन का काम संभालते थे। रविवार को भी वह ग्राहकों से पैसे लेकर अपनी बाइक से वापस मिल लौट रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ गोली चला दी। गोली लगते ही उमेश यादव सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई और पुलिस को इसकी सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही गोंदूडीह ओपी, भूली ओपी और केंदुआडीह थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंचे। परिजनों के चीख-पुकार से पूरा माहौल गमगीन हो गया। मृतक के भाई राजेश यादव ने आशंका जताई कि वारदात किसी पुरानी रंजिश के कारण हुई है या फिर लूट की नीयत से हत्या की गई है, इसका खुलासा जांच के बाद ही हो पाएगा।वहीं आटा मिल मालिक रतन अग्रवाल ने बताया कि उमेश यादव पिछले 7-8 सालों से उनके मिल में काम कर रहे थे और पैसा कलेक्शन का काम देखते थे। रविवार सुबह करीब 11 बजे वह पैसे कलेक्शन के लिए निकले थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि उनके पास कितनी रकम थी।फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर पहुंचे ग्रामीण एसपी एस मोहम्मद याकूब ने बताया कि पुलिस आपसी रंजिश, लूट और अन्य सभी संभावित बिंदुओं पर मामले की छानबीन कर रही है।

शुद्ध मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूती का आधार : अमर बाउरी

कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : बाघमारा प्रखंड के दरीदा सावित्री पैलेस में रविवार को भारतीय जनता पार्टी बाघमारा विधानसभा की ओर से बीएलए-2 मतदाता पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छह मंडलों के 355 बूथों के बीएलए-2 को मतदाता सूची पुनरीक्षण, मतदाताओं के नाम जोड़ने तथा त्रुटियों के सुधार की प्रक्रिया की जानकारी दी गयी।

मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री अमर बाउरी ने कहा कि शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। उन्होंने कार्यकताओं से घर-घर संपर्क कर योग्य मतदाताओं का नाम सूची में दर्ज कराने तथा अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र का कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रहे, इसका विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक योग्य नागरिक को मतदान का अधिकार सुनिश्चित करना पार्टी की प्राथमिकता है। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर मंडल अध्यक्ष बलिराम चौहान, राजू शर्मा, सोनू श्रीवास्तव, नागेश्वर सिंह, सूर्यदेव मिश्रा, सुधीर चौहान, किशुन महतो, गोपाल सिंह, सत्यनारायण पांडेय, दिनेश रवानी, संजय पांडेय, बिरजू रवानी, संतोष गोराई, दूधनाथ गोप, शिवांश श्रीवास्तव, धनेश्वर महतो, बच्चू राय, अनिल उपाध्याय, उदय शंकर दुबे, मंटू कुम्हार, अनीता देवी, ललिता देवी, शीला देवी, सुनीता देवी, सपना देवी एवं गीता देवी समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

विधायक सरजू राय ने कतरास कतरी नदी का किया निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः विधानसभा की उत्प्रेषित समिति के दो दिवसीय धनबाद दौरे के क्रम में रविवार को समिति के सदस्यों ने बाघमारा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने अंगारपथरा ओपी क्षेत्र स्थित कतरी नदी में बनाए गए अस्थायी पुल का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान सरयू राय ने कहा कि गजलीटांड़ क्षेत्र में कतरास कतरी नदी पर छह पीपा पाइप डालकर आरके माइनिंग आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा अस्थायी पुल का निर्माण किया गया है, जिसका उपयोग भारी वाहनों की आवाजाही के लिए किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां पर्यावरण और स्थानीय जनजीवन दोनों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही हैं। विधायक सरजू राय ने कहा कि बड़ी तेजी से कतरास कटरी नदी का अतिक्रमण किया जा रहा है जो जनजीवन के लिए खतरा है नदी की धारा को रोकना गंभीर अपराध है।विधायक ने कहा कि इस पूरे मामले को आगामी विधानसभा सत्र में प्रमुखता से उठाया जाएगा.साथ ही धनबाद में आयोजित समिति की बैठक में भी नदी क्षेत्र में अतिक्रमण का मुद्दा रखा जाएगा।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि आवश्यकता पड़ने पर इस मामले को न्यायालय तक भी ले जाया जाएगा, ताकि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्यशैली पर चिंता प्रकट की।

सरयू राय ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से छेड़छाड़ के ऐसे मामलों में जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय कर प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने नदी क्षेत्र में किए गए निर्माण और उसके प्रभावों की निष्पक्ष जांच कराने की भी मांग की।।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर डालसा की अनूठी पहल, जेल से वृद्धाश्रम तक गूंजा योग का संदेश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), धनबाद के तत्वावधान में रविवार को सिविल कोर्ट परिसर में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, धनबाद निकेश कुमार सिन्हा के नेतृत्व में न्यायिक पदाधिकारियों, न्यायालय कर्मियों एवं विधिक सेवा प्राधिकार से जुड़े सदस्यों, लीगल एड डिफेंस कौनसी सिस्टम की टीम ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन एवं मानसिक संतुलन का संदेश दिया।इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित कर व्यक्ति को स्वस्थ, सकारात्मक एवं ऊर्जावान बनाता है। उन्होंने सभी को नियमित योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा धनबाद मंडल कारा, किशोर न्याय बोर्ड, वृद्धाश्रम एवं बालिका गृह में भी विशेष योग सत्र आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में बंदियों, किशोरों, वृद्धजनों तथा बालिकाओं को योग के महत्व एवं उसके स्वास्थ्यवर्धक लाभों की जानकारी दी गई तथा उन्हें नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया गया। अवर न्यायाधीश सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मयंक तुषार टोपनों ने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देशन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में लगातार तीन दिनों तक विभिन्न संस्थानों एवं जनसमुदाय के बीच योग जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक योग के लाभ पहुंचाना तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन शैली को बढ़ावा देना था।

योग दिवस के इन आयोजनों ने यह संदेश दिया कि नियमित योगाभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है, बल्कि मानसिक शांति, आत्मविश्वास और जीवन में अनुशासन का भी संचार करता है।

योग और पौधरोपण दोनों ही मानव जीवन एवं प्रकृति संतुलन के लिए आवश्यक: राज सिन्हा

विधायक राज सिन्हा ने किया सामूहिक योगाभ्यास

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर धनबाद विधायक राज सिन्हा ने विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर योगाभ्यास किया और आमजनों को योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

जिला आयुष समिति द्वारा बिरसा मुंडा मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित योग सत्र एवं सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में विधायक राज सिन्हा शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने धनबाद जिला प्रशासन के अधिकारियों, आम नागरिकों एवं अन्य गणमान्य लोगों के साथ योग की विभिन्न क्रियाओं में भाग लिया।

इसके उपरांत अमृत पार्क, जगजीवन नगर में भाजपा कार्यकताओं के साथ आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में भी विधायक ने भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चल रहे ह्लएक पेड़ मां के नामह्व अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया।

इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योग आज पूरे विश्व में स्वास्थ्य, संतुलन और सकारात्मक जीवनशैली का पर्याय बन चुका है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को एक सूत्र में जोड़ने वाली भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति स्वस्थ, अनुशासित और ऊर्जावान जीवन की ओर अग्रसर होता है।

उन्होंने कहा कि योग और पौधरोपण दोनों ही मानव जीवन एवं प्रकृति के संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। हमें योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए भी निरंतर प्रयास करना चाहिए।

कार्यक्रम में धनबाद के सांसद ढुलू महतो , उप विकास आयुक्त (डीडीसी) धनबाद, जिला प्रशासन के पदाधिकारी, जिला महामंत्री मानस प्रसून, संतोष सिंह, जयप्रकाश सिंह,निर्मल प्रधान, नित्यानंद मंडल, नरेंद्र त्रिवेदी, वीरेंद्र हांसदा,उमेश सिंह, विजय कुमार सहित कई भाजपा कार्यकर्ता एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

मुहर्रम को शांतिएवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। बाघमारा थाना परिसर में मुहर्रम पर्व को लेकर रविवार शामे थाना परिसर में शांति समिति एवं पुलिस जनसहयोग समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के तीने अखाड़ा दल के सदस्यों की मौजूदगी में ताजिया जुलुस रूट एवं समय निर्धारित किया गया। अध्यक्षता थाना प्रभारी अजीत कुमार ने की। तोपचांची सर्किल इंस्पेक्टर असीम कमल टोपनो ने तीनों अखड़ा दलो को निर्धारित समय पर ही जुलूस निकालने व समापन करने का निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि मुहर्रम आस्था और भाईचारे का पर्व है। इसे शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं आपसी सहयोग के साथ मनाएं। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट साझा करने से बचने की भी अपील की गई। उन्होंने ने सभी अखाड़ा समितियों एवं स्थानीय लोगों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। मौके पर समिति के सचिव विजय शर्मा, टीपी पांडेय, धनेश्वर ठाकुर, मनोज शर्मा, केशव पासवान, बब्लू अंसारी, परवेज आलम, मिराज खान, हैदर हुसैन, अशरफ अंसारी, बंटी अंसारी, पपन अंसारी, शफीक टेलर, तरवेजे आलम, आदि लोग मौजूद थे ।

22-06-2026 T.P. Page 4_Layout 1 22-06-2026 06:34 Page 1

संक्षिप्त खबरें

पुलिस और उग्रवादी के बीच मुठभेड़

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : झारखंड के खूंटी जिले की पुलिस को रविवार सुबह बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। जरियागढ़ थाना क्षेत्र के तिलमी जंगल में पुलिस और प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के बीच हुई मुठभेड़ में संगठन का टॉप कमांडर जख्मी हो गया जिसका नाम श्रवण दास है। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ के दौरान कमांडर के पैर में गोली गई थी, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक श्रवण दास को बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स में भर्ती कराया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर जरियागढ़ थाना क्षेत्र की सीमा से सटे जंगल में हुई। इस कार्रवाई में जबकि श्रवण दास के दस्ते के आधा दर्जन सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। पकड़े गए उग्रवादियों में सामु ढोढराय, सुदर्षन सोय, सलीम बोदरा, हर्षित गुडिया, उमर खान, अलियास नील खान और विष्णु मांझी शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर चम्पाई सोरेन ने योगाभ्यास किया, कहा योग सिर्फ व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवनशैली की जरूरत है

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर रांची के धुर्वा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में योगाभ्यास किया गया, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ सामूहिक योगाभ्यास करने के बाद उन्होंने योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा - पिछले कुछ वर्षों में, योग सिर्फ व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवनशैली का विश्वव्यापी आंदोलन बन गया है।उन्होंने उपस्थित जनसमूह से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना कर स्वस्थ, ऊजार्वान एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सिर्फ शारीरिक ही नहीं, मानसिक एवं आत्मिक तौर पर भी योग दुनिया में स्वस्थ रहने का सबसे आसान साधन है। इस अवसर पर विद्यालय समिति के अध्यक्ष नरेंद्र देव गोस्वामी, जितेन्द्र वर्मा, नीरज चौधरी, वेंकट रमन, अखिलेश्वर मिश्रा, उमेश यादव, सुचिता रानी राय समेत बड़ी तादाद में विद्यार्थी, भाजपा कार्यकर्ता एवं आम लोग शामिल रहे।

सोने चांदी की ठगी के शिकार होने से बचाने के लिए हजारीबाग पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : शहरी क्षेत्र में सोने चांदी के आभूषण की बढ़ते ठगी की घटना के मद्देनजर हजारीबाग एसपी अमन कुमार ने रविवार को जागरूकता अभियान चलाया।सदर थाना पुलिस ने शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर मेकिंग के माध्यम से लोगो से अपील किया कि ठग से बचे।आए दिन ठग तंत्र मंत्र के झांसा देकर महिलाओं से सोने चांदी की ठगी करने की घटना हो रही है।ऐसे ठगो के झांसा में नही आएं।महिला से सोना चांदी आभूषण ठगी की पहली घटना आठ जून को हुई थी। इसमें दो ठग ने हु-रहुरू मौहल्ला के एक महिला से आभूषण ठगी कर फरार हो गए थे।पुलिस और ग्रामीणों की तत्परता से दो ठगो को पकड़ लिया गया था। दोनों पर ठगी का मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। इधर सदर थाना क्षेत्र में 20 जून को एक वृद्ध महिला से आठ लाख मूल्य के सोने का आभूषण की ठगी कर ली गई. प्रभात खबर में ठगी के दोनो घटनाओं पर संज्ञान लेते हुए हजारीबाग एसपी अमन कुमार ने जिले के सभी थाना प्रभारियो को निर्देश जारी किया है कि ऐसी घटना से बचने के लिए क्षेत्र में जागरुकता अभियान चलाया जाए।

नीट यूजी परीक्षा का डीसी-एसपी ने लिया जायजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : नीट (यूजी)-2026 परीक्षा के दौरान उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत एवं पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने जिला स्कूल एवं योध सिंह नामधारी महिला महाविद्यालय परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, जैमर, प्रवेश प्रक्रिया एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने संबंधित पदाधिकारियों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त परीक्षा संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सीनी ओपी में मुहर्रम को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : सीनी ओपी में ओपी प्रभारी विनय कुमार सिंह की अध्यक्षता में रविवार को शांति समिति की बैठक की गई।बैठक में मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की बात कही गई।बैठक में क्षेत्र के ग्रामीण, मुखिया और ग्राम प्रधान शामिल हुए। ओपी प्रभारी विनय कुमार सिंह ने सभी से आपसी भाईचारा और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की।उन्होंने कहा कि मुहर्रम पर्व धार्मिक आस्था का प्रतीक है।इसे शांतिपूर्वक मनाया जाए।जुलूस के रूट, समय और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई।मुखिया और ग्राम प्रधानों ने आश्वासन दिया कि गांव में शांति व्यवस्था बनी रहेगी।किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने और सूचना तुरंत पुलिस को देने की बात कही गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जुलूस के दौरान स्वयंसेवक तैनात रहेंगे और प्रशासन को सहयोग देंगे।ओपी प्रभारी ने कहा कि पुलिस प्रशासन मुहर्रम के दौरान पूरी तरह मुस्तैद रहेगा।गश्ती बढ़ाई जाएगी।पर्व के दौरान सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी।किसी भी प्रकार के भ्रामक खबर फैलाने वाले के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने सभी से कानून का पालन करने तथा पुलिस का साथ देने की अपील की।

आजसू के स्थापना दिवस पर धनबाद में होगा जनाक्रोश मार्च,ओडिशा,बंगाल से भी पहुंचेंगे कार्यकर्ता

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : आजसू के 41 वें स्थापना दिवस पर सोमवार को धनबाद में जनाक्रोश मार्च निकाला जाएगा और झारखंड से भ्रष्ट एवं माफिया राज खत्म करने के लिए उलगुलान का आगाज किया जाएगा। जनाक्रोश मार्च में आजसू प्रमुख सुदेश महतो, सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विधायक निर्मल महतो समेत झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल से सभी केंद्रीय नेता तथा हजारों कार्यकर्ता शामिल होंगे।झारखंड आंदोलनकारी तथा आजसू के केंद्रीय उपाध्यक्ष द्वय प्रवीण प्रभाकर एवं हसन अंसारी ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में आजसू स्थापना दिवसझ सहझजनाक्रोश मार्च के आयोजन की जानकारी दी। इस मौके पर केंद्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान भी मौजूद थे।केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि झारखंड राज्य आजसू के संघर्ष और आंदोलनकारियों की कुबार्नी का परिणाम है। 1986 में आजसू के गठन के बाद झारखंड आंदोलन को नया तेवर मिला। आजसू की बंदीझ आर्थिक नाकेबंदी ने 1989 में केंद्र

सरकार को पहली बार वार्ता के लिए मजबूर किया। वार्ता के परिणामस्वरूप केंद्र ने झारखंड समस्या के अध्ययन के लिए झारखंड विषयक समिति का गठन किया। इसके बाद 1995 में जैक बना, जिसे आजसू ने खारिज कर दिया। 1999 में आजसू के एनडीए में शामिल होने के बाद अलग राज्य बना और उसका नामकरण झारखंड हुआ। झारखंड बनने के बाद नई राजनीतिक भूमिका में आजसू पार्टी नामकरण किया गया।केंद्रीय उपाध्यक्ष हसन अंसारी ने कहा कि शहीद निर्मल महतो ने 40 वर्ष पूर्व आजसू की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार प्रत्येक मोर्चे पर विफल है और जनता खुद को छला महसूस कर रही है। जनता में आक्रोश है। कोयलांचल में अवैध खनन का विरोध करने पर आजसू नेताओं पर हमले और झूठे मुकदमे किए गए तथा जेल भेजा गया। यह सरकार भ्रष्ट तथा माफिया की संरक्षक सरकार है। आजसू जनाक्रोश मार्च के माध्यम से इस सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान करेगी। इस सरकार से छात्र, युवा, महिला, आदिवासी, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक सभी निराश हैं।

जमशेदपुर के शशि कुमार बने बिहार में डीएसपी, बीपीएससी में हासिल की 23वीं रैंक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : मानगो डिमना रोड स्थित कालिका नगर के रहने वाले शशि कुमार ने 70 वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा में 23वीं रैंक हासिल कर शहर का मान बढ़ाया है। इस सफलता के साथ ही उनका चयन बिहार पुलिस सेवा में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद पर हुआ है।शशि की इस उपलब्धि पर उनके कालिका नगर स्थित आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।मूलतः लखीसराय (बिहार) के निवासी शशि का परिवार वर्षों से जमशेदपुर में रह रहे है। शशि कुमार के पिता डॉ. ललन कुमार एक शिक्षाविद हैं।जिन्होंने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।जबकि माता प्रभा देवी ने उन्हें सदैव आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। शशि के बड़े भाई आनंद कुमार एसबीआई की डिमना रोड शाखा में शाखा प्रबंधक हैं और उनकी बड़ी बहन भी बीपीएससी से चयनित होकर पीजीटी शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं।शशि कुमार वर्तमान में गेल में वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। सरकारी उपक्रम में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वहन करने के बावजूद उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी से समझौता नहीं किया।अपनी लगन, अनुशासन और निरंतर मेहनत के बल पर उन्होंने साबित कर दिया कि सही दिशा में किया गया प्रयास किसी भी कठिन लक्ष्य को भेद सकता है।

जेल अदालत का आयोजन, दो बंदी हुए रिहा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार रांची में रविवार को जेल अदालत सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ। रविवार को 45 बंदियों के आवेदन जेल अदालत के लिए लिया गया था। इस दौरान 02 बंदी को जेल अदालत का लाभ प्रदान करते हुए रिहा किया गया।इस अवसर पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ।बंदियों को नालसा एवं झालसा के योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी। बंदियों के स्वास्थ्य के जांच के लिए चिकित्सीय शिविर लगाकर बंदियों के स्वास्थ्य की जांच भी गयी। इस अवसर पर मौके पर उपस्थित न्यायिक पदाधिकारियों ने कहा कि समय-समय पर बंदियों के लिए जेल में चिकित्सीय शिविर लगाकर बंदियों के स्वास्थ्य की जांच की जानी चाहिए, जिससे कि वे स्वस्थ और निरोग रहे। इससे समय पर ही उनके बीमारियों को चिन्हित कर उनका समुचित इलाज किया जा सकेगा।इस अवसर पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एसबी शर्मा, डालसा सचिव, राकेश रौशन, न्यायिक दंडाधिकारी मयंक मलियाज, मनीष कुमार सिंह, अमित गुप्ता एवं रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी बिजय कुमार यादव, एलएडीसी के सदस्यगण, काराधीक्षक कुमार चंद्रेशेखर, कारापाल, लवकुश कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

बीपीएससी परीक्षा अनुपमा विनायक व सृष्टि कुमारी बनीं पदाधिकारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला की प्रतिभाशाली बेटी कुमारी अनुपमा विनायक ने 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षा में सफलता प्राप्त कर क्षेत्र, परिवार एवं विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। वह श्री संजय कुमार विनायक एवं कुमारी मांडवी रानी की सुपुत्री हैं।अनुपमा की प्रारंभिक एवं स्कूली शिक्षा डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला से हुई। 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने जेइइ मेन परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद प्रतिष्ठित बीआइटी मेसरा से इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की।इंजीनियरिंग शिक्षा पूर्ण करने के उपरांत उनका चयन कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड में हुआ।जहां वह असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत है. नौकरी के साथ-साथ उन्होंने निरंतर अध्ययन, अनुशासन और कठिन परिश्रम को जारी रखा। अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, लगन एवं अथक मेहनत के बल पर अनुपमा ने 70वीं बीपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर अधिकारी बनने का गौरव प्राप्त किया।उनकी इस उपलब्धि से परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों, शिक्षकों एवं पूरे क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। अनुपमा की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े लक्ष्य हासिल करने का सपना देखते हैं।उनकी उपलब्धि यह सिद्ध करती है कि समर्पण, निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।भरनो निवासी खाद दुकान संचालक दिनेश प्रसाद केशरी की पुत्री सृष्टि कुमारी ने बीपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर प्रखंड का नाम रोशन किया है। सृष्टि को परीक्षा में 553वीं रैंक प्राप्त हुई है, जिसके आधार पर उनका चयन ग्रामीण विकास विभाग के लिये हुआ है।सृष्टि ने यह सफलता अपने पहले ही प्रयास में हासिल की है। वह रांची में रहकर ऑनलाइन माध्यम से यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। इससे पहले वह यूपीएससी के इंटरव्यू तक पहुंच चुकी थी, लेकिन अंतिम चयन नहीं हो सका। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार तैयारी जारी रखी।सृष्टि ने अपनी सफलता का श्रेय अपने दिवंगत दादा स्वर्गीय गौरी शंकर केशरी, चाचा आनंददेव प्रसाद केशरी, योगेश प्रसाद केशरी, पिता दिनेश प्रसाद केशरी, माता रंजना देवी और पूरे परिवार को दिया। उन्होंने कहा कि उनका अंतिम लक्ष्य यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल करना है, जिसके लिये वह निरंतर मेहनत कर रही है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगमय हुआ पलामू, योगा फॉर हेल्दी एजिंगपदाधिकारी, विद्यार्थी सहित मीडियाकर्मियों ने किया योग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : पलामू में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया। प्रमंडलीय मुख्यालय मेदिनीनगर के शिवाजी ग्राउंड परिसर में रविवार सुबह 6 बजे जिला प्रशासन के जिला आयुष समिति की ओर से आज प्रातः भव्यता के साथ योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं जिले के सभी प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय परिसर, महाविद्यालय, विद्यालय आदि शैक्षणिक संस्थानों में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां सभी ने योगा फॉर हेल्दी एजिंगके तहत योग किया।प्रमंडलीय मुख्यालय के मेदिनीनगर के शिवाजी मैदान में आयोजित जिला स्तरीय योग कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत,उप विकास आयुक्त सादात अनवर,पुलिस अधीक्षक कपील चौधरी,पतंजलि योगपीठ के मास्टर योग प्रशिक्षक राजीव शरण ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर

किया।अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम योगा फॉर हेल्दी एजिंग के लिये पदाधिकारी,विद्यार्थी सहित मीडियाकर्मियों ने योग किया।कार्यक्रम में पतंजलि योगपीठ की योग प्रशिक्षक राजीव शरण द्वारा योग एवं प्रणायाम के विभिन्न क्रियाएं कराई गई। साथ ही योग के फायदों को बताया गया। योग प्रशिक्षकों ने मुख्य रूप से वज्रासन, सिद्धासन, ताड़ासन, वृक्षासन, अर्धचक्रासन, श्वासन, पवनमुक्तासन, भुजंगासन, शीर्षासन, सूर्य नमस्कार आदि योगासनों को कराया। वहीं भस्त्रिका प्रणायाम, कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, शीतली आदि प्रणायाम की क्रियाएं कराते हुए उसके महत्व को बताए। कार्यक्रम में पूरे वर्ष योगा कराने हेतु पवन कुमार गुप्ता और सीमा सहाय को सम्मानित किया गया।वहीं महरजा के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में बेहतर हर्बल गार्डन बनाने और उसका बेहतर रखरखाव करने को लेकर डॉक्टर अजय कुमार उपाध्याय को भी सम्मानित किया गया।उपरोक्त कार्यक्रम में डीसी-एसपी के अलावे डीडीसी,अपर समाहर्ता कुंदन कुमार,सहायक समाहर्ता ऋत्विक मेहता,नजारत उप समाहर्ता नीरज कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम, डीपीएम मृत्युंजय मेहता समेत बड़ी संख्या में शहर के आमजन समाज सेवा से जुड़े लोग एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

परिसीमन के खिलाफ आदिवासी संगठन गोलबंद, दो अगस्त को राजधानी में महाजुटान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : परिसीमन के खिलाफ विभिन्न आदिवासी संगठन गोलबंद हुए हैं। परिसीमन को आदिवासी समाज के उपर आघात बताया है। रविवार को प्रेस क्लब में परिसीमन का आदिवासी पर प्रभाव व संभावित समाधान को लेकर परिचर्चा आयोजित की गयी।दो अगस्त को राज्य में परिसीमन के खिलाफ आदिवासियों का महाजुटान होगा। राज्यभर से आदिवासी संगठन के कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे।परिचर्चा में हिस्सा लेते हुए कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि बिना किसी भेदभाव,बाधा या बंधन के आदिवासी एक हैं।आदिवासियों के बीच भेदभाव डालने या दीवार खड़ा करने की कोई भी कोशिश सफल नहीं होगी।श्री तिर्की ने कहा कि परिसीमन, आदिवासी समाज के ऊपर एक ऐसा आघात है, जिससे प्रभावी तरीके से निपटना और रणनीति बनाकर संघर्ष करना होगा। एसटी-एससी जाति के लिए आरक्षित सीटों की अनुपातिक संख्या को बरकरार रखना अथवा बढ़ाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।हम सभी इस

मामले में गंभीर नहीं रहे तो विस्थापन, पलायन जैसी आपदाओं के बाद परिसीमन एक ऐसी विकट समस्या होगी जिसका खामियाजा संपूर्ण आदिवासी समाज को भुगतना पड़ेगा।डॉ बासवी किड़ो ने कहा कि पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को किसी भी परिस्थिति में खंडित नहीं किया जा सकता है।परिसीमन में आदिवासी हितों की रक्षा हर हाल में करना होगा।अलोका कुजूर ने कहा कि आदिवासी समाज लोकतांत्रिक सुधारों का विरोध नहीं करता है।लेकिन राजनीतिक व संवैधानिक अधिकारों की कटौती स्वीकार नहीं करेगा।बैठक में राज्यभर से 30 से अधिक संगठनों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।बैठक में निर्णय लिया गया कि दो अगस्त की रैली को लेकर राज्यभर में अभियान चलाया जाये। परिसीमन के दुष्प्रभाव को लेकर लोगों को अवगत कराया जाये। बैठक में मारग्रेट मिंज, अनिल पन्ना, लक्ष्मी खलखो, सुषमा बिरली, अनिल उरांव, बरिंग हांसदा, नारायण गोप, पंचानन महतो,अगस्टींग सोरेंग, सुमति सोरेंग और प्रमिला टेटे सहित कई लोगों ने हिस्सा लिया।

रामगढ़ छावनी परिषद में योग शिविर का आयोजन,विवेक सिंह ने किया उद्घाटन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : छावनी परिषद रामगढ़ की ओर से छावनी बैडमिंटन हॉल में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का नेतृत्व मुख्य अधिशासी अधिकारी विवेक सिंह ने किया।योग शिविर का शुभारंभ मुख्य अधिशासी अधिकारी विवेक सिंह, वार्ड संख्या-दो के प्रहरी आरिफ कुरैशी, वार्ड संख्या-छह के प्रहरी धनंजय कुमार पुटुस, योग प्रशिक्षक धर्मवीर एवं अनिल कुमार पासवान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।मुख्य अधिशासी अधिकारी विवेक सिंह ने कहा कि योग शिविर का उद्देश्य केवल लोगों को योग के विभिन्न आसनों, क्रियाओं व प्राणायाम की जानकारी देना नहीं, बल्कि योग को प्रत्येक घर की नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाना भी है। उन्होंने सभी लोगों से नियमित योग करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।विवेक सिंह ने कहा कि योग हमारी भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का अभिन्न हिस्सा है और वर्षों से भारतीय जीवनशैली में रचा-बसा है. स्वस्थ जीवन के लिए योग अत्यंत आवश्यक है।यह शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखता है तथा नियमित अभ्यास से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति को शारीरिक एवं मानसिक रोगों से दूर रखकर उसके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।शिविर में छावनी परिषद के कर्मियों के साथ बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

अंकित बने बिहार में एसडीएम,बीपीएससी में मिली 218 वीं रैंक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : कहते हैं कि अगर हौसले बुलंद हों और इरादे पक्के, तो नियति की हर बंदिश छोटी पड़ जाती है।इसे सच कर दिखाया है केबुल टाउन निवासी अंकित शर्मा ने। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में अंकित ने अपनी मेधा का परचम लहराते हुए बिहार प्रशासनिक सेवा में अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) का पद हासिल किया है।मेरिट सूची में 218वां स्थान पाने वाले अंकित की इस कामयाबी ने शहर का नाम रोशन कर दिया है।उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।मूल रूप से बिहार के सिवान जिले के बड़हरिया थाना अंतर्गत महमूदपुर गांव का रहने वाले है। दादा स्वर्गीय शंकर शर्मा, पिता स्वर्गीय परमेश्वर शर्मा की नौकरी के कारण उनका परिवार लंबे समय से केबुल टाउन में ही बस गया। अंकित ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने स्वर्गीय पिता के संघर्षों और माता इंदु शर्मा के आशीर्वाद को दिया है।अंकित की शुरूआती शिक्षा जमशेदपुर के मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल (10वीं) और मुसाबनी माइंस इंटर कॉलेज (12वीं) से हुई। इसके बाद उन्होंने ट्रिपल आईटी ग्वालियर से बीटेक और एमबीए की एकीकृत डिग्री पूरी की। पढ़ाई के बाद उन्होंने एक नामी आईटी कंपनी में एक साल तक नौकरी भी की, लेकिन सिविल सेवा की तैयारी के जुनून के कारण उन्होंने नौकरी को अलविदा कह दिया। यह उनका दूसरा प्रयास था, जिसमें उन्होंने एसडीएम का पद सुनिश्चित किया।अंकित सिर्फ खुद ही सफल नहीं हुए हैं, बल्कि वे समाज के अन्य छात्रों का भी मार्गदर्शन कर रहे हैं।नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने कैवल्य पीसीएस नाम से एक डिजिटल स्टार्टअप और यूट्यूब चैनल की शुरूआत की।इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से वर्तमान में लगभग 14 हजार छात्र उनसे ऑनलाइन जुड़े हुए हैं। जिन्हें वे प्रशासनिक सेवा की बारीकियां सिखाते हैं।उन्होंने अपनी सफलता का मूल मंत्र शेयर करते हुए कहा कि अभ्यर्थियों को एनसीइआरटी की किताबों पर पकड़ मजबूत करनी चाहिए और निरंतर उत्तर लेखनका अभ्यास करना चाहिए।अंकित की यह सफलता केवल एक छात्र की कामयाबी नहीं, बल्कि एक पिता के उस अटूट विश्वास की जीत है।जो उन्होंने तंगहाली के दौर में भी बनाये रखा।अंकित के पिता स्वर्गीय परमेश्वर शर्मा स्थानीय केबुल कंपनी के लैब डिपार्टमेंट में कार्यरत थे। अप्रैल 2000 में जब अचानक कंपनी बंद हुई, तब अंकित महज 3 वर्ष के थे।अचानक आर्थिक संकट के बाद परिवार को चलाने के लिए पिता ने घर पर और डीएवी पटेल नगर स्कूल में बच्चों को पढ़ाना शुरू किया।खुद अभाव में रहे, लेकिन अंकित और उनकी बड़ी बहन प्रियंका की पढ़ाई में कभी कोई कसर नहीं छोड़ी।अंकित का बचपन से ही प्रशासनिक अधिकारी बनने का सपना था।जिसे पूरा होते देखने की सबसे बड़ी हसरत उनके पिता की थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था।इसी वर्ष 16 जनवरी 2026 को अचानक दिल का दौरा (हार्ट अटैक) पड़ने से पिता परमेश्वर शर्मा का निधन हो गया। पिता के जाने के गहरे सदमे के बावजूद अंकित ने अपनी हिम्मत नहीं हारी और परीक्षा के दौरान रोजाना 12 से 13 घंटे तक कड़ी पढ़ाई की।

संक्षिप्त खबरें

महिला कोच में अनधिकृत प्रवेश पर होगी सख्त कार्रवाई, भरना होगा 2,500 रुपये का जुर्माना

जन विश्वास अधिनियम 2026 के तहत रेलवे नियम हुआ सख्त, बिना टिकट सफर पर अब 500 रुपये होगा पेनाल्टी

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्र सहित गया जंक्शन क्षेत्र से यात्रा करने वाले रेल यात्रियों की जानकारी के लिए महत्वपूर्ण खबर है। भारतीय रेलवे ने रेलवे अधिनियम 1989 में संशोधन करते हुए बिना टिकट यात्रा और अन्य रेलवे नियमों के उल्लंघन पर जुमार्ने की राशि बढ़ा दी है। नए प्रावधानों के अनुसार अब बिना टिकट यात्रा करने पर यात्रियों को वास्तविक किराए के साथ कम से कम 500 रुपये की पेनाल्टी देनी होगी। इसे शनिवार से लागू कर दिया गया है। पहले यह न्यूनतम जुमार्ना 250 रुपये था। रेलवे का उद्देश्य बिना टिकट यात्रा पर रोक लगाना और यात्रियों के लिए सुरक्षित एवं व्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करना है।

पेनाल्टी भरने पर मौके पर ही खत्म होगा मामला

रेलवे अधिकारियों के अनुसार नई व्यवस्था में छोटी रेलवे उल्लंघन संबंधी घटनाओं में सीधे अदालत का सहारा नहीं लिया जाएगा। यदि टीटीई या रेलवे अधिकारी किसी यात्री को नियम तोड़ते हुए पकड़ते हैं तो पहले मौके पर जुमार्ना भरने का अवसर दिया जाएगा। यात्री द्वारा पेनाल्टी जमा करने पर मामला वहीं समाप्त माना जाएगा। हालांकि जुमार्ना देने से इनकार करने पर मामला मजिस्ट्रेट अदालत तक पहुंच सकता है।

बिना टिकट और दूसरे के टिकट पर यात्रा करना पड़ेगा महंगा

गया जंक्शन से रोजाना हजारों यात्री विभिन्न ट्रेनों से सफर करते हैं। ऐसे में रेलवे ने स्पष्ट किया है कि बिना टिकट यात्रा करने वालों पर वास्तविक किराए के अलावा न्यूनतम 500 अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। वहीं यदि कोई व्यक्ति दूसरे यात्री के नाम पर जारी टिकट पर सफर करता पाया गया तो उसका टिकट जब्त कर लिया जाएगा। ऐसे मामलों में यात्रा किराए के साथ कम से कम 500 रुपये की पेनाल्टी भी देनी होगी।

महिला कोच में अनधिकृत प्रवेश पर कार्रवाई

रेलवे प्रशासन ने महिला यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए महिला कोच में पुरुषों के अनधिकृत प्रवेश पर भी सख्ती बढ़ा दी है। पकड़े जाने पर संबंधित व्यक्ति पर 2 हजार 500 रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। गया स्टेशन क्षेत्र में आरपीएफ को ऐसे मामलों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

भीख मांगने और अवैध बिक्री पर भी सख्त नजर

रेलवे परिसरों और ट्रेनों में भीख मांगना या बिना अनुमति सामान बेचना भी अब महंगा साबित हो सकता है। ऐसे मामलों में 2 हजार रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। जुमार्ना नहीं भरने की स्थिति में तीन महीने तक की जेल का भी प्रावधान है। गया स्टेशन पर समय-समय पर चलाए जाने वाले विशेष जांच अभियान में ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

खतरनाक सामान ले जाने पर लगेगा भारी जुमार्ना

रेलवे ने ट्रेनों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए ज्वलनशील पदार्थ, गैस सिलेंडर, पटाखे या अन्य प्रतिबंधित सामान ले जाने पर न्यूनतम 10 हजार रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान किया है। गंभीर मामलों में जेल की सजा भी हो सकती है। रेलवे अधिकारियों ने गया जंक्शन से यात्रा करने वाले यात्रियों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और सुरक्षित रेल यात्रा में सहयोग दें।

आर्थिक तंगी भी नहीं तोड़ सकी हौसला, ट्रक चालक की बेटी बनी बाल संरक्षण पदाधिकारी

सरकारी स्कूल में पढ़ाई कर दूसरे प्रयास में बीपीएससी परीक्षा में पाई सफलता

अब आईपीएस बनकर समाज सेवा करने का है सपना

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : संघर्ष और सफलता की यह कहानी फतेहपुर प्रखंड के कठौतिया केवाल पंचायत स्थित मनहोना गांव की बेटी खुशबू कुमारी की है, जिसने कठिन परिस्थितियों को मात देकर बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा में सफलता हासिल की है। ट्रक चालक की बेटी खुशबू का चयन बाल संरक्षण पदाधिकारी के पद पर हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव और क्षेत्र में खुशी की लहर है।खुशबू ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव के सरकारी विद्यालयों से प्राप्त की। सीमित संसाधनों और आर्थिक अभाव के बावजूद उन्होंने पढ़ाई जारी रखी। वर्ष 2021 में मां के निधन के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, लेकिन खुशबू ने हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ती रहीं। खुशबू के पिता उमेश प्रसाद यादव वर्षों तक ट्रक चालक के रूप में कार्य कर परिवार का भरण-पोषण करते रहे। तीन बहनों में सबसे बड़ी खुशबू ने दूसरे प्रयास में बीपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल की। उनके बड़े भाई संदीप कुमार, जो उत्तर प्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर हैं, उन्हें अपने साथ रखकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।खुशबू की सफलता से गांव की बेटियां भी प्रेरित हो रही हैं। खुशबू का अगला लक्ष्य भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में चयनित होकर समाज और देश की सेवा करना है। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि मजबूत इरादों और निरंतर मेहनत के आगे कठिन से कठिन परिस्थितियां भी छोटी पड़ जाती हैं।

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, मन व आत्मा के संतुलन की वैज्ञानिक पद्धति है : आयुष्मान

योग से गूंजा फतेहपुर, स्वस्थ जीवन का लिया संकल्प

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को फतेहपुर प्रखंड योगमय नजर आया। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों, खेल मैदानों, पार्कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित योग शिविरों में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास कर फिट रहने का संदेश दिया।

प्रखंड के गुरुकुल रंगुनगर खेल परिसर में विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिक्षक आयुष्मान गौतम, आचार्य नरेश भारती एवं सीएसपी संचालक मुकेश कुमार के सहयोग से आयोजित शिविर में छात्रों और बच्चों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया। इस दौरान ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, अनुलोम-विलोम और कपालभाति सहित कई योग क्रियाएं कराई गईं।योग शिक्षक आयुष्मान गौतम ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन की वैज्ञानिक पद्धति है। नियमित योग एवं ध्यान से तनाव, अवसाद और कई गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने वर्तमान भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग को दैनिक दिनचर्या का अनिवार्य हिस्सा बनाने पर बल दिया।

इंटैक के मधुबनी अध्याय का हुआ शुभारंभ, विरासत का संरक्षण हमारी जिम्मेवारी

मधुबनी, (एजेंसी) : भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत न्यास (इंटैक) के मधुबनी चैप्टर के शुभारंभ रविवार को हुआ। इस अवसर पर आयोजित सेमिनार का उद्घाटन इंटैक के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह ठाकुर के ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। ग्रीन ऑनियन रेस्टुरेंट के सभागार में आयोजित इस सेमिनार में जिले भर से आए हुए पुरातत्व, साहित्य एवं कला प्रेमियों ने इसमें भाग लिया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए इंटैक के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 1984 से ही इंटैक सम्पूर्ण भारत में व्याप्त विरासत के संरक्षण के प्रति क्रियाशील है और न केवल परिरक्षण कार्य कर रही है बल्कि जन जागरूकता का भी दायित्व बखूबी निभा रही है। उन्होंने इंटैक मधुबनी चैप्टर की शुरूआत करने के लिए जिले के बुद्धिजीवियों की भी सराहना की और डॉ अभिषेक कुमार एवं प्रतीक प्रभाकर को उनके प्रयास के लिए बधाई दिया। समारोह को संबोधित करते हुए जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी नीतीश कुमार ने कहा कि इंटैक का विरासत संरक्षण का बेहतरीन इतिहास रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में मधुबनी जिले में मौजूद विरासत की पुरानी परंपरा के संरक्षण का कार्य पूरी तत्परता से होगा.जिले में विरासत संरक्षण को लेकर सतत प्रयत्नशील रहने वाले अमल कुमार झा ने विस्तार से जिले में विरासत संरक्षण की दशा और दिशा पर प्रकाश डाला और उपस्थित लोगों को जिले के विरासत संरक्षण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। आयोजन को संबोधित

करते हुए इंटैक के बिहार चैप्टर के कन्वेनर भैरव लाल दास ने मधुबनी चैप्टर के शुभारंभ पर अपनी हार्दिक खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मधुबनी चैप्टर के आरंभ का उन्हें लम्बे समय से इंतजार था जो अब पूरा हो रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि आने वाले दिनों में मधुबनी के बुद्धिजीवी इंटैक के प्रयासों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे और अपने विरासत के कर्ज का हक अदा करेंगे। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बिहार चैप्टर के को-कन्वेनर डॉ शिवकुमार मिश्र ने विरासत संरक्षण के लिए जन जागरूकता पर बल देते हुए कहा कि जिले के गांव-गांव में पुरातात्विक महत्व की प्राचीन मूर्तियाँ एवं अन्य अवशेष मिल रहे हैं। जिनके संरक्षण के लिए जिले के लोगों को आगे आना होगा.सेमिनार की अध्यक्षता कर रहे डॉ नरेन्द्र नारायण सिंह निराला ने कहा कि आज जब जिले में इंटैक चैप्टर का आगाज हो रहा है, यह दिन जिले के विरासत संरक्षण के लिए एक स्वर्णिम अवसर के रूप में अंकित किया जाएगा। उन्होंने समारोह के विषय मधुबनी जिले की सांस्कृतिक विरासत विषय पर प्रकाश डालते हुए जिले के आंचलिक इतिहास को भारतीय सामाजिक इतिहास का अभिन्न हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि मधुबनी का गौरवशाली इतिहास रहा है और यह हमारी जिम्मेवारी है कि हम मिलकर अपने विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखें। यदि हम इसमें असफल रहे तो आने वाला दौर हमे माफ नहीं करेगा.कार्यक्रम में स्वागत संबोधन प्रतीक प्रभाकर ने किया और कार्यक्रम संचालन के साथ धन्यवाद ज्ञापन डॉ अभिषेक कुमार ने किया. इस अवसर पर पद्मश्री बौआ देवी, पद्मश्री शिवन पासवान, उमेश चंद्र मिश्र, डॉ मीनाक्षी कुमारी, डॉ अपर्णा कुमारी, डॉ शिवकुमार पासवान, सुबोध कुमार झा, सुरेश कुमार बैरोलिया, अंजना मिश्रा, कौशिक कुमार झा, विनयानन्द झा, जयानंद मिश्र, डॉ चंदन कुमारी, विवेक कुमार, संजय जायसवाल, संजीव झा, बसंती देवी, शुभ कुमार वर्णवाल, आशीष झा, सतीश सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

बाल श्रमिकों की विमुक्ति के लिए लगातार चलाया जाय अभियान: अरुण

श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने ने गया में कहा

गया जी(एजेंसी) : गया जी सर्किट हाउस के सभागार में श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में श्रम संसाधन विभाग तथा नियोजन एवं युवा कौशल विकास विभाग के पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक हुई। इस दौरान विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान बाल श्रम उन्मूलन अभियान, बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड, प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान योजना तथा बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना की प्रगति पर चर्चा हुई। मंत्री ने बाल श्रमिकों की विमुक्ति की संख्या बढ़ाने पर विशेष बल देते हुए संबंधित अधिकारियों को अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। प्रखण्ड क्षेत्रों के बाजारों में छोटे-छोटे होटल,ढाबा,गैरेज आदि संस्थानों में बाल श्रमिक उन्मूलन अभियान के तहत सर्च अभियान चलाने का निर्देश दिया इसके साथ ही बिहार शताब्दी योजना के तहत छात्र-छात्राओं को मिलने वाली छात्रवृत्ति के लिए आवेदन संख्या बढ़ाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की बात कही।

रोजगार सृजन, न्यूनतम मजदूरी पालन और सेस वसूली में तेजी लाने का निर्देश

बैठक में प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान योजना की समीक्षा करते हुए मंत्री ने सभी प्रखंडों में गहन निरीक्षण कर दुर्घटना में मृत प्रवासी श्रमिकों के आश्रितों को अधिक से अधिक योजना का लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पात्र लाभुकों तक सरकारी सहायता समय पर पहुंचनी चाहिए। इसके अलावा निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए सेस वसूली को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि धावा दल के माध्यम से अधिक से अधिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर सेस वसूली में तेजी लाई जाए, ताकि बोर्ड द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के संचालन में वित्तीय संसाधनों की कमी न हो। बैठक में उप श्रमायुक्त विनोद प्रसाद, सहायक श्रमायुक्त पुनम कुमारी, श्रम अधीक्षक मृत्युंजय कुमार झा, उप निदेशक नियोजन, जिला नियोजन पदाधिकारी तथा जिले के सभी प्रखंडों के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण बेटी सोनम राज बनीं सीओ, बीपीएससी में सफलता से क्षेत्र में खुशी की लहर

गया जी (एजेंसी) : गया जिले के शेरघाटी प्रखंड के छोटकी चेरकी गांव की बेटी सोनम राज ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा में सफलता हासिल कर सीओ (अंचलाधिकारी) पद पर चयनित होकर जिले और गांव का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता की खबर मिलते ही गांव तथा परिजनों के बीच हर्ष और उत्साह का माहौल है। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी जी, मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन,विधायक अजय दांगी युवा सामाजिक कार्यकर्ता सत्येंद्र कुमार यादव आदि लोगों ने इसे क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया है।सोनम राज वर्तमान में पटना सचिवालय में सहायक के पद पर कार्यरत हैं। नौकरी के साथ निरंतर अध्ययन और कठिन परिश्रम के बल पर उन्होंने बीपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अंचलाधिकारी बनने का सपना साकार किया। उनकी इस उपलब्धि पर रिश्तेदारों, शुभचिंतकों और स्थानीय लोगों ने बधाई दी है।मेहनत और लगन से हासिल किया मुकाम सोनम राज के पिता डॉ. दिनेश कुमार एसएमएसजी कॉलेज, शेरघाटी में लिपिक के पद पर कार्यरत हैं। जबकि उनकी माता कमला सिंह चेरकी में सरकारी शिक्षिका हैं। शिक्षा के प्रति परिवार का सकारात्मक माहौल और माता-पिता का मार्गदर्शन उनकी सफलता की मजबूत आधारशिला बना। छोटकी चेरकी गांव की मूल निवासी सोनम ने गया में रहकर अपनी शिक्षा पूरी की।

नेपाली शराब बरामद, तस्कर फरार

सुपौल, (एजेंसी) : जिले के पिपरा थाना क्षेत्र में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 263 बोतल नेपाली शराब बरामद की है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर हरिपुर झरका गांव में की गई।जानकारी के अनुसार, रतौली पंचायत के हरिपुर झरका वार्ड संख्या 16 में पुलिस टीम छापेमारी के लिए पहुंची। पुलिस को देखते ही शराब तस्कर अपनी काले रंग की अपाचे बाइक छोड़कर मौके से फरार हो गया।बाइक पर दो बैग लदे हुए थे, जिनकी तलाशी लेने पर 263 बोतल नेपाली निर्मित दिलवाले सोफिया शराब बरामद हुई।

पैरामेडिकल प्रवेश परीक्षा में बिहार टॉपर बनीं ममता को विधायक सर्वजीत ने किया सम्मानित

गोयनियां गांव पहुंचकर विधायक ने दी आर्थिक सहायता, माता-पिता को दी बधाई

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : टनकुप्पा प्रखंड की भेटौरा पंचायत के गोयनियां गांव की महादलित परिवार की प्रतिभाशाली छात्रा ममता के पैरामेडिकल प्रवेश परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करने पर बोधगया के विधायक एवं पूर्व मंत्री कुमार सर्वजीत स्वयं उसके घर पहुंचे और उसे सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने ममता को आर्थिक सहायता प्रदान की तथा उसके माता-पिता को हार्दिक बधाई देते हुए बेटी की सफलता पर गर्व व्यक्त किया। मौके पर विधायक ने कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि व्यक्ति दृढ़ संकल्प, लगन और निरंतर मेहनत के साथ आगे बढ़े तो सफलता का मार्ग अवश्य खुलता है। उन्होंने ममता की मेहनत और संघर्ष की सराहना करते हुए कहा कि उसकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर विधायक ने ममता को आगे की पढ़ाई में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। मौके पर मौजूद रहे मुखिया दिलीप यादव और पूर्व जिला पार्षद महेंद्र यादव ने ममता की सफलता पर खुशी जताते हुए इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण बताया। इस मौके पर कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक व राजनीतिक लोग के अलावा ग्रामीण मौजूद रहे। बता दें कि गोयनियां गांव निवासी सुरेंद्र मांझी की पुत्री ममता ने पैरामेडिकल प्रवेश परीक्षा में एसएसी श्रेणी में बिहार टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया है, जबकि सामान्य श्रेणी में उसने आठवां रैंक हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों व बीमार यात्रियों को मिलेगा निःशुल्क व्हीलचेयर का लाभ

गया जंक्शन पर यात्री सुविधा के लिए रेल प्रशासन को मिली पांच व्हीलचेयर, यात्रियों ने जतायी खुशी

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर यात्रियों की सुविधा और सामाजिक सेवा के उद्देश्य से डॉ राजेंद्र प्रसाद स्कॉलरशिप एंड वेलफेयर ट्रस्ट ने रविवार को गया जंक्शन को पांच व्हीलचेयर भेंट की हैं। इन व्हीलचेयर का उपयोग वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों, बीमार एवं अन्य जरूरतमंद रेल यात्रियों के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल से स्टेशन पर आने वाले ऐसे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी जिन्हें प्लेटफॉर्म और स्टेशन परिसर में आवागमन के दौरान सहायता की आवश्यकता होती है।गया जंक्शन के स्टेशन अधीक्षक कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के ट्रस्टी मुकेश वर्मा, बिरेन्द्र सिन्हा, सुनील कुमार सिन्हा, नवीन बिहारी प्रसाद और राजेश सहाय ने संयुक्त रूप से स्टेशन प्रबंधन को पांचों व्हीलचेयर सौंपी।

पितृपक्ष मेले में श्रद्धालुओं को भी मिलेगी सुविधा

इस अवसर पर रेल अधिकारियों ने ट्रस्ट के सामाजिक योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि गया रेलवे स्टेशन को लगातार आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। ऐसे में व्हीलचेयर जैसी सुविधा वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों और बीमार यात्रियों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगी। अधिकारियों ने विशेष रूप से कहा कि आगामी पितृपक्ष मेले के दौरान देश-विदेश से आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को इससे काफी लाभ मिलेगा। बताया गया कि इन व्हीलचेयर का उपयोग पूरी पारदर्शिता के साथ जरूरतमंद यात्रियों को उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं ट्रस्ट पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था आगे भी समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के हित में जनकल्याणकारी कार्य करती रहेगी।

कार्यक्रम में चिकित्सकों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकताओं तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। सभी ने इस पहल को समाज सेवा और मानवीय संवेदनाओं का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

फतेहपुर में गार्ड का बेटा बबलू बना राजस्व पदाधिकारी, पांचवें प्रयास में मिली सफलता

फतेहपुर के नेयामतपुर गांव निवासी बबलू कुमार ने बीपीएससी में 3824 वीं रैंक हासिल किया

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : गया जिले के फतेहपुर प्रखंड अंतर्गत नेयामतपुर गांव के बबलू कुमार ने कठिन परिस्थितियों को पीछे छोड़ते हुए बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता हासिल कर राजस्व पदाधिकारी का पद प्राप्त किया है। परीक्षा में 3824वीं रैंक हासिल कर उन्होंने न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

बबलू कुमार की यह सफलता संघर्ष, धैर्य और दृढ़ संकल्प की मिसाल है। लगातार चार प्रयासों में असफल रहने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और पांचवें प्रयास में सफलता का परचम लहराया। सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने अपनी तैयारी को निरंतर जारी रखा।

बबलू के पिता सुरेंद्र रविदास फतेहपुर के एक निजी विद्यालय में गार्ड के रूप में कार्यरत हैं, जबकि माता प्रेमा देवी गृहिणी हैं। आर्थिक चुनौतियों के बावजूद माता-पिता ने बेटे की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। उच्च शिक्षा के दौरान आर्थिक संकट में उनके चाचा नरेश रविदास ने महत्वपूर्ण सहयोग किया। बबलू ने कोलकाता में चाचा के साथ रहकर कॉलेज की पढ़ाई पूरी की। बबलू प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए गया आने के बाद बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर अपनी पढ़ाई का खर्च स्वयं उठाया। पढ़ाई और रोजगार के बीच संतुलन बनाते हुए उन्होंने अपने लक्ष्य पर लगातार फोकस बनाए रखा। बबलू ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, चाचा और मित्रों को दिया है। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति के भीतर लक्ष्य के प्रति समर्पण और दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो सीमित संसाधन कभी भी सफलता की राह में बाधा नहीं बनते।

फतेहपुर बाजार से जल्द हटेगा अवैध अतिक्रमण, मुख्य पार्षद ने प्रशासन को दिया अल्टीमेटम

छह माह पहले पारित प्रस्ताव पर अमल नहीं होने से मुख्य पार्षद ने जताई नाराजगी

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : नगर पंचायत फतेहपुर के मुख्य बाजार और प्रमुख सड़कों पर बढ़ते अतिक्रमण को लेकर मुख्य पार्षद रवि कुमार ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कार्यपालक पदाधिकारी को पत्र भेजकर एक सप्ताह के भीतर विशेष अभियान चलाकर बाजार क्षेत्र और मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्देश दिया है। मुख्य पार्षद ने अपने पत्र में कहा है कि नगर पंचायत की सशक्त स्थायी समिति की बैठक में 28 फरवरी 2026 को सर्वसम्मति से बाजार और मुख्य सड़कों से अतिक्रमण हटाने का प्रस्ताव पारित किया गया था, लेकिन छह माह बीत जाने के बाद भी इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बाजार क्षेत्र में प्रतिदिन जाम की समस्या बनी रहती है, जिससे आम नागरिकों, राहगीरों और वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सड़कें संकरी होने के कारण किसी भी समय गंभीर दुर्घटना होने की आशंका भी बनी रहती है। मुख्य पार्षद ने स्पष्ट किया कि आमजन की सुविधा और सुरक्षा नगर पंचायत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उनकी पहल के बाद नगरवासियों में उम्मीद जगी है कि जल्द ही अतिक्रमण हटने से बाजार क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुगम होगी और लोगों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी।

संपादकीय

सरकार के तुगलकी निर्णय आम जनता हैरान

केंद्र सरकार और राज्य सरकार जिस तरह से ताबड़तोड़ कानून बनाती हैं और नियमों को बदलती हैं, उसने आम आदमी के जीवन को संकट में डाल दिया है। अब पानी सर के ऊपर से गुजरने लगा है। ऐसी स्थिति में अब जनता नाराज होकर सड़कों पर उतरने के लिए बाध्य हो रही है। केंद्र सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल अनिवार्य कर दिया गया है। अब तो 100 फीसदी इथेनॉल की बात भी होने लगी है। सरकार ने जो निर्णय लिया है उसके क्या परिणाम होंगे इस पर सरकार ने जरा भी विचार नहीं किया है। 2024 के पहले की जो भी गाड़ियां हैं उनमें एथेनॉल का उपयोग करने से जहां माइलेज कम हो रहा है वहीं इंजन में भी खराबी आना शुरू हो गई है। फ्यूल टैंक में कचरा जमा होना शुरू हो गया है। कई पुरानी गाड़ियां तो बहुत कम समय में ही कबाड़ में तब्दील हो गई हैं। जो एथेनॉल मिले पेट्रोल के पहले ठीक चल रहीं थीं, उनमें कोई शिकायत नहीं थी, अब वह भी खराब होने के चलते गैराज में खड़ी हो गई हैं। केंद्रीय मंत्रालय दावा करता है कि इससे पर्यावरण में सुधार होगा, कम कच्चा तेल आयात करना पड़ेगा। लेकिन यह सब बात कथा-कहानी की तरह है। सरकार अपनी विफलता और अपने निजी लाभ को छुपाने के लिए इस तरह का प्रचार करती हैं, जबकि वास्तविक स्थिति इसके विपरीत होती है। कहा जाता है कि एथेनॉल के बड़े-बड़े प्लांट केंद्रीय मंत्री, उनके बेटे और बड़े-बड़े राजनेताओं और पूंजीपतियों द्वारा लगाए गए हैं। केंद्र सरकार ने 2024 के बाद वाहन निमार्ताओं को नई तकनीकी के इंजन बनाने को अनिवार्य किया है, लेकिन जो पुरानी गाड़ियां 2024 के पहले की बनी हुई हैं उनके इंजन ई20 पेट्रोल के कारण खराब हो रहे हैं। गाड़ी बनाने वाली कंपनियों का कहना है उनके पुराने मॉडल पेट्रोल को ध्यान में रखते हुए बनाए गए हैं। 2024 के बाद जो इंजन बनाए जा रहे हैं उनमें जरूर एथेनॉल युक्त पेट्रोल का इस्तेमाल हो इसको ध्यान में रखते हुए तैयार किए जा रहे हैं। कंपनियां वाहनों का माइलेज कम हो रहा है, इसका दोष मिलावटी पेट्रोल पर डाल देती हैं। ग्राहकों को पेट्रोल का उतना ही पैसा देना पड़ता है, उसके बाद उन्हें माइलेज भी कम मिल रहा है तथा गाड़ी भी खराब हो रही है। गाड़ी के रख-रखाव का खर्चा बड़ी तेजी के साथ बढ़ गया है। इससे वाहन मालिकों की नाराजी बढ़ती चली जा रही है। अब तो बीमा कंपनियों ने भी हाथ खड़े कर दिए हैं। उनका कहना है नई गाड़ियों को जरूर क्लेम दिया जाएगा, लेकिन 2024 के पहले जो पुरानी गाड़ियां बनी हैं उनके इंजन मिलावटी पेट्रोल को ध्यान में रखकर नहीं बनाए गए थे।

नमो-मोहन के दौर में एमपी छू रहा है विकास के नए आयाम

देश का हृदयप्रदेश कहा जाने वाला मध्यप्रदेश पिछले कुछ वर्षों में तेजी से विकास की राह पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की राज्य सरकार की समन्वित नीतियों, सुधारों और जनकल्याणकारी योजनाओं ने राज्य को आर्थिक,औद्योगिक, कृषि सरीखे कई क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्व की भावना से प्रेरित डबल इंजन सरकार का यह प्रयास एमपी को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर मजबूती से ले जा रहा है। मोहन सरकार ने औद्योगिक निवेश क अपनी बड़ी प्राथमिकता दी है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और अनेक क्षेत्रीय सम्मेलनों के माध्यम से प्रदेश को जहाँ हजारों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं वहीं दिल्ली-नागपुर, अटल प्रगति एक्सप्रेस वे, नर्मदा एक्सप्रेसवे और इंदौर-पीथमपुर जैसे औद्योगिक गलियारों के तेजी से विकास ने प्रदेश में निवेश को बूस्टर डोज दी है। राज्य में निवेशकों को 500 वर्ग किलोमीटर से अधिक औद्योगिक भूमि बैंक, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति और जल संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में नर्मदा प्रगति पथ, विंध्य एक्सप्रेस- वे,मालवा- निमाड़ एक्सप्रेस-वे, अटल प्रगति पथ, बुंदेलखंड विकास पथ, मध्य भारत एक्सप्रेस- वे बनने से प्रदेश में कनेक्टिविटी को बड़ी रफ़्तार मिल रही है जिसके चलते निवेशकों की एमपी के प्रति रूचि बढ़ रही है। दुबई और स्पेन सरीखे देशों से भी बड़े निवेश प्रस्ताव मध्यप्रदेश को मिल रहेहैं। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव और स्टार्टअप समिट 2026 ने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में एमपी का डंका बजाया है। एआई-आधारित शासन और सौर ऊर्जा पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने दावोस में भी मध्यप्रदेश की वैश्विक पटल पर ब्रांडिंग की जिससे एमपी के प्रति ग्लोबल निवेशक आकर्षित हुए हैं।

मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। राज्य का सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर हाल के कुछ बरसों में औसतन 9-11% के आसपास रही है, जो कई राज्यों से बेहतर है। 2025-26 के आंकड़ों के अनुसार जीएसडीपी लगभग 18.48 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है।मोदी सरकार की मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत जैसी अनेकों योजनाओं का लाभ मध्यप्रदेश को मिल रहा है। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और एग्रीटेक क्षेत्रों में नई यूनिट्स स्थापित हो रही हैं, जिससे लाखों रोजगार सृजित हो रहे हैं। पीएम जन- धन योजना में मध्यप्रदेश में 4.69 करोड़ से अधिक खाते खुले जिससे डीबीटी के माध्यम से वित्तीय समावेशन को मजबूती मिली है। इसी तरह से प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के माध्यम से मध्यप्रदेश में 89 लाख से अधिक कनेक्शन मिले जिससे महिलाओं को रसोई गैस के धुंए से मुक्ति मिली। केन्द्र की मोदी सरकार के जल जीवन मिशन से भी मध्यप्रदेश में हर घर नल से जल का संकल्प साकार हुआ है जिससे प्रदेश के 1 करोड़ 11 लाख परिवार सीधे लाभान्वित हुए हैं।प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से प्रदेश के लाखों उद्यमियों को आर्थिक सहयोग मिल रहा है। वित्तीय वर्ष 2025 -26 में मध्यप्रदेश में इस योजना में जहाँ 32.41 लाख लाभार्थियों को ऋण वितरित किये गए वहीं वित्तीय वर्ष 202 - 27 में यह आंकड़ा 4.82 लाख तक पहुँच चुका है। पीएम स्वनिधि योजना भी छोटे व्यापारियों के लिए बड़ा सहारा बनी। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के 15.87 लाख प्रकरणों में 2679.49 करोड़ रु का ऋण वितरण किया गया है।

मोहन युग में आज का मध्यप्रदेश विकास की नई ऊँचाइयों को छू रहा है। प्रदेश में विकास के सभी क्षेत्रों में हर दिन नवाचार हो रहे हैं। राज्य ने बुनियादी ढाँचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। सड़क, बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटी में सुधार ने न केवल उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया है, बल्कि गाँव-गाँव तक विकास की रोशनी पहुँचाई है। स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर जैसे शहर आधुनिक शहरी प्रबंधन और स्वच्छता के मॉडल बनकर उभरे हैं वहीं नर्मदा घाटी विकास परियोजनाओं ने सिंचाई और जल संरक्षण में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। सड़क, बिजली और जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं में भारी निवेश ने ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा है। मोदी सरकार की पीएम किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनाओं और मोहन सरकार की मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजनाओं ने किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, कृषि यंत्रीकरण तथा फसल बीमा जैसी योजनाओं से किसानों को लाभ मिल रहा है जिसके परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। प्रदेश में डिजिटल कृषि सेवा से एक तरफ जहाँ किसान सशक्त हो रहे हैं वहीं किसानों को मौसम, मंडी भाव , रोग कीट प्रदबंधान और ड्रोन स्प्रे की रियाल टाइम जानकारी मिल रही है। गौशालाओं को बढ़ावा देने, दूध उत्पादन दोगुना करने के प्रयास और कृषि प्रसंस्करण इकाइयों का विस्तार राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ को मजबूत कर रहा है। पीएम आवास योजना शहरी के माध्यम से हर जरूरतमंद को पक्का आवास दिया जा रहा है। एमपी के 9 लाख से अधिक आवास हितग्राहियों को इस योजना के माध्यम से आवास सौंपे गए हैं। साइबर तहसील जैसी डिजिटल पहल पारदर्शिता और सुशासन सुनिश्चित कर रही हैं।मोदी सरकार की आयुष्मान भारत, पीएम जन मन और शिक्षा संबंधी योजनाओं के साथ राज्य सरकार के प्रयासों ने स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र को नई दिशा दी है। एमपी में बेहतर सेवाओं का लगातार इजाफा हो रहा है। उज्जैन में पहली मेडिसिटी और मेडिकल कालेज का जहाँ भूमि पूजन हो चुका है वहीं पीएम श्री एम्बुलेंस जैसी सेवा से कई मरीजों के जीवन में सवेरा हुआ है। इसी तरह से प्रदेश में एमबीबीएस की 5500 और स्नातकोत्तर की 2862 सीटों में वृद्धि हुई है। मैहर, मऊगंज, पांढुर्णा में 3 नए अस्पतालों की स्वीकृति से जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही है। मोहन सरकार बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए संकल्पित है। सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव और सुरक्षित भविष्य प्रदान करने की दिशा में एचवीपी टीकाकरण अभियान में एमपी आज देश के शीर्षस्थ राज्यों में शामिल हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अगुवाई में राज्य सरकार ने धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए हवाई सेवाओं का व्यापक विस्तार शुरू किया है। मार्च 2024 में पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा और पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा का शुभारंभ हुआ जो लोक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर आधारित है। यह योजना भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, रीवा, सिंगरौली और खजुराहो जैसे आठ प्रमुख शहरों को जोड़ती है। यह विस्तार न केवल तीर्थयात्रियों की सुविधा बढ़ा रहा है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति दे रहा है। मोहन के दौर का मध्यप्रदेश अब आकाशमार्ग से तीर्थयात्रा का नया अध्याय लिख रहा है जो आस्था और आधुनिकता का अनूठा संगम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में देश में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के तौर पर उभर रहा है। डॉ. मोहन यादव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सांस्कृतिक अभ्युदय के संकल्प को मध्यप्रदेश में पूरा करने की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रही है। प्रदेश में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये मोहन सरकार राम गमन पथ विकसित कर रही है वहीँ चित्रकूट को भी अयोध्या की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है । डॉ. मोहन यादव ने भगवान कृष्ण से जुड़े इन स्थलों को विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना पर भी आगे बढ़ रही है जिसे कृष्ण पाथेय के रूप में जाना जा रहा है। इस योजना के तहत, राज्य में कृष्ण से जुड़े प्रमुख स्थलों का चयन किया गया है।

सुशासन की प्रभावी नीतियों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के कारण मध्यप्रदेश विकास की नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है।

हर्षवर्धन पान्डे

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

करुणा में शीतल अग्नि होती है जो क्रूर से क्रूर व्यक्ति का हृदय भी आर्द्र कर देती है।

: सुदर्शन

जैसे जल द्वारा अग्नि को शांत किया जाता है वैसे ही ज्ञान के द्वारा मन को शांत रखना चाहिए।

: वेदव्यास

संतोष से दूर, संकट के निकट : परिवार की बदलती कहानी

जब संबंधों की जड़ें स्वार्थ की धूप में सूखने लगती हैं, तब सभ्यताओं का मौन पतन शुरू हो जाता है। भारतीय समाज उसी क्षरण से गुजर रहा है, जहाँ दिगंबर जैन दर्शन का गृहस्थ-धर्म–संतुलन, संयम और सांस्कृतिक दृढ़ता का प्रतीक–मोह, लोभ और भोग में गल रहा है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (2019ह्न21) की वास्तविकता चुभती है–शहरी भारत में एकल परिवार 70% तक पहुँचकर संयुक्त परिवारों का स्थान ले रहे हैं, और महानगरों में 30ह्न40% तलाक दर रिश्तों की घटती आत्मीयता दशार्ती है। उपभोक्तावाद, सोशल मीडिया और व्यक्तिवादी सोच ने संयम व संतोष को विस्थापित कर दिया है, जिससे युवा सांस्कृतिक व आध्यात्मिक जड़ों से कटकर क्षणिक सुखों की दौड़ में खो रहे हैं। दिगंबर दृष्टि में यह परिग्रह की मूर्छा है, जो आत्मा को शुद्ध स्वरूप से दूर करती है। यह केवल सामाजिक विघटन नहीं, बल्कि आध्यात्मिक पतन है, जिसका उपचार अपरिग्रह, अहिंसा और सम्यक चारित्र में निहित है।

बिगड़ती संस्कृति और बिखरते परिवारों के कारण

जब घरों में संवाद की जगह चुप्पियाँ बोलने लगें और अपनापन यंत्रों की चमक में धुंधला जाए, तब परिवार बिखरने लगता है। शहरों की ओर भागती ज़िंदगी ने संयुक्त परिवारों को कमजोर किया है, और व्यस्तता ने बच्चों की भावनात्मक निकटता छीन ली है। मोबाइल और इंटरनेट ने लोगों को एक ही छत के नीचे अलग-अलग दुनिया में बाँट दिया है। पीढ़ियों का अंतर, आर्थिक दबाव, नशे की प्रवृत्ति और नैतिक गिरावट रिश्तों की नींव कमजोर कर रहे हैं। जब जीवन का केंद्र धन और सुख बन जाता है, तब रिश्ते उपयोग और बोझ बन जाते हैं। जैन दर्शन इसे आसक्ति और कर्म-बंधन की जकड़न मानता है, जहाँ आत्मा विकारों से ढक जाती है। मन की कटुता (भाव-हिंसा) घरों को मौन टकराव और टूटन की ओर ले जाती है।

जैन दर्शन में समाधान का मार्ग

संयम की संजीवनी

जब भीतर का संतुलन टूटने लगे और संबंधों की डोर ढीली पड़ जाए, तब जैन दर्शन जीवन को दिशा देता है। ह्लअहिंसा परमो धर्मःह्व केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि चेतना को निर्मल करने वाली जीवन-धारा है, जो मन, वचन और कर्म से किसी जीव को कष्ट न देने का संकल्प कराती है। जहाँ परिवारों में करुणा, क्षमा और समभाव बने रहते हैं, वहाँ विघटन की गुंजाइश नहीं रहती। इसके विपरीत, भोग-लालसा और कामुक प्रवृत्तियाँ रिश्तों की पवित्रता क्षीण करती हैं। जैन गृहस्थ परंपरा में ब्रह्मचर्य को एकपत्नीत्व और इंद्रिय-संयम के रूप में माना गया है, जो विश्वास, मयार्दा और स्थायित्व का आधार बनता है। जब मनुष्य इंद्रियों पर संयम साध लेता है, तब परिवार बाहरी आकर्षणों से मुक्त होकर सुदृढ़ बन जाता है।

इच्छाओं का निर्वाण

जब मेरा और मेरा ही की पकड़ जीवन पर हावी होने लगे, तब जैन दर्शन का अपरिग्रह इच्छाओं के बंधन को विलीन करने वाली जागृति बन जाता है। यह त्याग नहीं, बल्कि वह स्थिति है जहाँ संतोष जीवन का आधार बनता है। अनियंत्रित संचय लालच, ईर्ष्या और तुलना को जन्म देकर परिवारों में तनाव और दूरी बढ़ाता है। तीर्थंकरों का संदेश है कि अनावश्यक संग्रह सबसे भारी बंधन है। आज जीवन दिखावे और ह्लऔर चाहिएह्व की दौड़ में फँसकर संबंधों के लिए समय व संवेदना खो रहा है। अपरिग्रह इच्छाओं को सीमित कर संतोष जगाता है, व्यर्थ खर्च घटाता है और घरों में शांति लाता है। साथ ही, यह प्रकृति पर दबाव कम कर संतुलित सह-अस्तित्व को बढ़ावा देता है।

दृष्टि का विस्तार सत्य को किसी एक खांचे में बंद कर देना जैन दर्शन के अनेकांतवाद और स्यादवाद की भावना के विपरीत है, क्योंकि यहाँ हर सत्य को अनेक कोणों से देखने की कला सिखाई जाती है। जब ह्लमैं ही सही हूँह्व की कठोरता टूटती है और ह्लदूसरे दृष्टिकोण में भी सच्चाई हो सकती हैह्व की स्वीकार्यता जन्म लेती है, तब घर-परिवार की छोटी-छोटी बहसें भी संवाद में बदल जाती हैं। यही दृष्टि पीढ़ियों के बीच जमी बर्फ पिघलाकर समझ का पुल बनाती है, जहाँ मतभेद टकराव नहीं बल्कि परस्पर सम्मान और संतुलन का आधार बन जाते हैं।

चरित्र की चेतना

जैन जीवन-दृष्टि का आधार त्रिरत्न–सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र–है, जो विचार, समझ और आचरण को शुद्ध करते हैं। जैन परिवारों में प्रातः-सायं पूजा, स्वाध्याय, उपवास और परोपकार की परंपराएँ बचपन से संस्कार विकसित करती हैं। श्रमण संस्कृति बाहरी आडंबरों से दूर रहकर आत्मशुद्धि और आत्मनिरीक्षण को सर्वोच्च स्थान देती है। अहिंसा और अपरिग्रह ने जैन समाज को नैतिकता, सम्मान और समृद्धि प्रदान की है। गृहस्थ जीवन में अणुव्रत–अहिंसा, अपरिग्रह आदि–इच्छाओं को नियंत्रित कर जीवन को सादगी और संस्कृति से जोड़ते हैं।

संस्कारों की पुनर्स्थापना

संरक्षण और संस्कार-निर्माण की दिशा आवश्यक है। बाल्यकाल से णमोकार मंत्र, जैन कथाएँ और महावीर स्वामी का जीवन बच्चों में संस्कार रूप में बसाया जाए। सामूहिक भोजन, संयुक्त प्रार्थना और पर्व-उत्सव पारिवारिक संबंधों को सुदृढ़ करते हैं। सोशल मीडिया का संयमित उपयोग, स्वाध्याय और उपवास जीवन में अनुशासन लाते हैं। शिक्षा में नैतिक मूल्यों और जैन सिद्धांतों का समावेश आवश्यक है। जैन संगठन परिवार परामर्श केंद्रों तथा संयुक्त परिवार व्यवस्था को बढ़ावा दें। ध्यान, क्षमा और समता की साधना भीतर शांति लाकर परिवार को विघ्नों से सुरक्षित रखती है।आदर्शों की कसौटी पर जैन धर्म का यह वचन आज भी प्रकाशमान है–ह्यचरित्र ही धर्म हैह्व। शुद्ध आचरण व्यक्ति, परिवार और संस्कृति की सबसे मजबूत ढाल है। संस्कृति का पतन आधुनिकता से नहीं, बल्कि मूल्यों के असंतुलन से होता है। जैन दर्शन अहिंसा से करुणा, अपरिग्रह से संतोष, संयम से स्थिरता और अनेकांत से सहिष्णुता का मार्ग दिखाता है। जब ये मूल्य जीवन में उतरते हैं, तो पीढ़ियाँ सुरक्षित रहती हैं। सशक्त परिवार संस्कृति की धुरी है। इसलिए इन मूल्यों को अपनाकर संतुलित और करुण समाज का निर्माण आवश्यक है, क्योंकि जैन दर्शन केवल रक्षा नहीं, उत्थान का मार्ग है।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7550

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7549 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

दैनिक पंचांग

22 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	कन्या में
मंगल	वृष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	07.05 बजे से
सिंह	09.21 बजे से
कन्या	11.33 बजे से
तुला	13.44 बजे से
वृश्चिक	15.59 ब.से
धनु	18.15 बजे से
मकर	20.20 बजे से
कुंभ	22.06 बजे से
मीन	23.39 बजे से
मेष	01.09 बजे से
वृष	02.50 बजे से
मिथुन	04.48 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 173 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 15.41 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी 10.23 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 10.31 बजे को समाप्त। **करण** बव 15.41 बजे तदनन्तर बालव 04.06 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 6.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872748
जूलियन दिन 2461213.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम **तारीख** 06
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

भुखमरी के खिलाफ आखिर कब जंग जीतेगी दुनिया?

आधुनिक विज्ञान के इस युग में मानव ने अपने जीवन को सुखमय बनाने के लिए विलासिता की हर छोटी-बड़ी वस्तु का आविष्कार कर लिया है और जीवन को लगातार अधिक सुविधाजनक बनाता जा रहा है। लेकिन शरीर को तंदुरुस्त रखने के लिए पेट की भूख मिटाने वाली कोई चमत्कारी गोली आज तक नहीं खोजी जा सकी है। यही कारण है कि भोजन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म करना पड़ता है। आधुनिक विज्ञान के इस युग में जब हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है, तब कृषि क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा। वैज्ञानिक तकनीकों और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने से दुनिया के अनेक देशों में फसलों की बंपर पैदावार हो रही है। इससे न केवल किसान समृद्ध हो रहे हैं, बल्कि देश भी आर्थिक रूप से मजबूत बन रहे हैं। किंतु यह विडंबना ही है कि खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि के बावजूद आज भी दुनिया के कई देशों में लोग भयावह भुखमरी के बीच जीवन जीने को मजबूर हैं। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को भीतर तक व्यथित कर देती है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार आधा दर्जन देशों में भुखमरी की स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि लोगों को एक समय का शुद्ध और पौष्टिक भोजन भी नसीब नहीं हो पा रहा है। विश्व के लगभग 50 देशों में करीब 30 करोड़ लोगों को एक वक्त का भोजन भी बड़ी मुश्किल से उपलब्ध हो पाता है और वे अक्सर खाली पेट रात गुजारने को विवश रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार दुनिया की लगभग 8.5 प्रतिशत आबादी, अर्थात करीब 70 करोड़ लोगों को भरपेट और पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं हो पाता, जिसके कारण कुपोषण की समस्या लगातार विकराल रूप धारण करती जा रही है। दुनिया के अधिकांश देश विकसित, विकासशील और प्रगतिशील राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल होने की होड़ में लगे हुए हैं, लेकिन उनके भीतर युद्ध, अकाल, सूखा, अतिवृष्टि, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता और कमजोर खाद्य वितरण प्रणाली जैसी समस्याओं के कारण गरीबी, भुखमरी और कुपोषण लगातार बढ़ रहे हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारत की स्थिति का आकलन भी वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2025 की रिपोर्ट से किया जा सकता है, जिसमें 123 देशों में भारत का स्थान 102वां बताया गया है। यह स्थिति दशार्ती है कि देश में आज भी करोड़ों लोगों को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। भारत कृषि प्रधान देश है और कृषि को उसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोगों का भोजन से वंचित रहना चिंता और आत्ममंथन का विषय है। केंद्र और राज्य सरकारें गरीब एवं वंचित वर्गों के लिए अनेक खाद्यान्न योजनाएं संचालित कर रही हैं। इन योजनाओं का लाभ लाखों-करोड़ों जरूरतमंदों तक पहुंच रहा है, फिर भी यदि भुखमरी और कुपोषण की समस्या बनी हुई है तो कहीं न कहीं खाद्यान्न वितरण प्रणाली में मौजूद कमियों को दूर करने की आवश्यकता है। साथ ही समाज और नागरिकों को भी भोजन तथा अन्न की बबार्दी रोकने के लिए गंभीरता से विचार करना होगा। भोजन की बबार्दी के मामले में भारत विश्व के अग्रणी देशों में गिना जाता है। एक सर्वेक्षण के अनुसार देश में हर वर्ष 8 करोड़ टन से अधिक भोजन बर्बाद हो जाता है। यदि दृढ़ इच्छाशक्ति और प्रभावी प्रबंधन के साथ इस बबार्दी को रोका जाए तो देश में कुपोषण और भुखमरी की स्थिति में काफी हद तक सुधार संभव है।

विश्व से भुखमरी समाप्त करने के लिए वैश्विक महाशक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को भी अपने आर्थिक और सामरिक हितों से ऊपर उठकर सोचना होगा। हथियारों के सौदों पर अरबों-खरबों डॉलर खर्च करने के बजाय विश्व शांति और खाद्य सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जिन देशों में भुखमरी के हालात गंभीर हैं, वहां मानवीय आधार पर खाद्यान्न और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें बदहाली से उबारने का प्रयास किया जाना चाहिए। मानव जाति का यह दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि एक ओर दुनियाभर की सरकारें सुरक्षा और शांति के नाम पर हथियारों के विशाल भंडार तैयार कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर युद्ध और संघर्षों के कारण पर्यावरण, जलवायु और प्राकृतिक संसाधनों को भारी नुकसान पहुंच रहा है। परिणामस्वरूप कहीं अकाल, कहीं सूखा, कहीं बाढ़ और कहीं अन्य प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं, जो अंततः भुखमरी की समस्या को और अधिक गंभीर बना रही हैं। दुनिया के देश हथियारों के बल पर सीमाओं की जंग तो जीत सकते हैं, लेकिन अपने ही नागरिकों के पेट की भूख के खिलाफ लड़ाई आखिर कब जीतेंगे? यह प्रश्न आज समूचे विश्व के सामने एक यक्ष प्रश्न बनकर खड़ा है। जब तक दुनिया की प्राथमिकताओं में मानव जीवन, खाद्य सुरक्षा और मानवीय संवेदनाएं सर्वोच्च स्थान प्राप्त नहीं करेंगी, तब तक भुखमरी के खिलाफ यह जंग अधूरी ही रहेगी।

अरविंद रावल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

स्वामी अवधेशानन्द गिरी ने नेपाल में किए जीवित देवी कुमारी के दर्शन-पूजन

काठमांडू। विश्व के सबसे प्राचीन जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरी ने नेपाल प्रवास के दौरान नेपाल की जीवित देवी कुमारी के दर्शन एवं विधिवत पूजन किया है। जीवित देवी कुमारी का दर्शन और पूजन करने वाले वे पहले प्रमुख धर्माचार्य बन गए हैं। कुमारी के दर्शन करने के बाद अत्यंत भाव विभोर हुए स्वामी अवधेशानन्द गिरी जी ने पत्रकारों से संक्षिप्त वार्ता करते हुए कहा कि जगत जननी माँ जगदम्बा की साक्षात प्रतिमूर्ति रही नेपाल की जीवित देवी कुमारी के दर्शन और पूजन करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने विश्व के समस्त हिन्दू समाज से अपील की है कि वे जब भी आराध्य देव पशुपतिनाथ की इस देवभूमि पर आए तो कुमारी देवी का दर्शन का सौभाग्य अवश्य प्राप्त करें। स्वामी अवधेशानन्द जी ने यह भी कहा कि इस तरह की धार्मिक, आध्यात्मिक, पौराणिक मान्यता वाली जीवित देवी के दर्शन से न सिर्फ नेपाल और भारत के बीच के हमारे संबंधों को प्रगाढ़ बनाएगी अपितु समस्त विश्व का कल्याण इससे हो सकता है। इस विशेष अवसर को धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नेपाल की प्राचीन परंपरा में कुमारी को जीवित देवी के रूप में पूजा जाता है, जिनका विशेष महत्व खासकर नेवार समुदाय में है। नेवार समुदाय की मान्यता के अनुसार कुमारी देवी शक्ति, संरक्षण और शुभता का प्रतीक हैं। सदियों पुरानी यह परंपरा नेपाल की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। स्वामी अवधेशानन्द गिरी के इस कदम को नेपाल की आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने वाला माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि इससे तीर्थयात्रियों के लिए एक नया आध्यात्मिक द्वार खुलेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, अब पशुपति मंदिर के दर्शन के लिए नेपाल आने वाले दुनियां भर के श्रद्धालु जीवित देवी कुमारी के दर्शन को भी अपनी तीर्थयात्रा का हिस्सा बना सकते हैं। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि नेपाल की अद्वितीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति अंतरराष्ट्रीय श्रद्धालुओं की रुचि भी बढ़ेगी। स्वामी अवधेशानन्द गिरी का वसंतपुर में स्वागत करने वाले हली नेवा गुठी का मानना है कि यह पहल नेपाल के आध्यात्मिक पर्यटन को नया आयाम दे सकती है, जहां श्रद्धालु एक ही यात्रा में पशुपतिनाथ और जीवित देवी कुमारी—दोनों के दर्शन कर सकेंगे। इससे नेपाल की धार्मिक पहचान और अधिक सशक्त होने की उम्मीद है।

नेपाल के ललितपुर में पूरी हुई भोटो यात्रा, राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने किया अवलोकन

काठमांडू। वर्षा और समृद्धि के देवता माने जाने वाले रातो मच्छिन्द्रनाथ के अवसर पर रविवार को चौथे दिन ऐतिहासिक भोटो दिखाने की यात्रा (भोटो जात्रा) संपन्न हो गई। रातो मच्छिन्द्रनाथ का रथ ललितपुर के थटिटोल से खींचकर जावलाखेल पहुंचाया गया। जावलाखेल के विशेष समारोह में राष्ट्र प्रमुख के रूप में नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल उपस्थित रहे और उन्होंने पवित्र भोटो का अवलोकन किया। राष्ट्रपति पौडेल के साथ उपराष्ट्रपति रामसहाय यादव, प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह, गृहमंत्री सुधन गुरूंग, ललितपुर के मेयर चिरीबाबु महर्जन, संवैधानिक निकायों के प्रमुख तथा सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुख भी जावलाखेल पहुंचे थे। मान्यता है कि भोटो जात्रा का यह उत्सव लिच्छवी काल से मनाया जाता रहा है, जिससे इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता और बढ़ जाती है।कपड़े की थैली में सीलबंद कर सुरक्षित रखे गए मणि-माणिक्य जड़ित पवित्र भोटो के दर्शन के लिए जावलाखेल में आम जनता की भारी भीड़ उमड़ी। भारी भीड़ के बीच गुठी संस्थान के प्रतिनिधियों ने पारंपरिक रीति से भोटो दिखाया। इस अवसर पर ललितपुर की कुमारी ने राष्ट्रपति पौडेल और अन्य विशिष्ट अतिथियों को टीका एवं प्रसाद प्रदान किया। भोटो दिखाए जाने के साथ ही काठमांडू उपत्यका की सबसे लंबी और ऐतिहासिक रथयात्राओं में से एक रातो मच्छिन्द्रनाथ का औपचारिक समापन हो गया।

छत्तीसगढ़ पहुंचे राहुल गांधी, संगठनात्मक गतिविधियों की करेंगे समीक्षा

रायपुर/अभनपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज रविवार को एक दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ पहुंचे। रायपुर एयरपोर्ट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। राहुल गांधी 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल होंगे और संगठनात्मक समीक्षा करेंगे। राहुल गांधी माना एयरपोर्ट से सीधे अभनपुर पहुंचे, जहां वे कांग्रेस के 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल होकर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करेंगे और पार्टी पदाधिकारियों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता एवं कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत राहुल गांधी के साथ सभा स्थल पर पंहुचे। अभनपुर के चांदी मोड़ स्थित आशुतोष-अलका अग्रवाल मंगल भवन में चल रहे इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में प्रदेशभर से नवनियुक्त जिला एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष भाग ले रहे हैं। राहुल गांधी करीब चार से पांच घंटे तक शिविर में मौजूद रहेंगे और संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को मार्गदर्शन देंगे। हालांकि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को गोपनीय रखा गया है, लेकिन राहुल गांधी की एक झलक पाने दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता अभनपुर पहुंचे हैं। शिविर के दौरान राहुल गांधी जिला एवं शहर अध्यक्षों के साथ सीधा संवाद कर संगठन की जमीनी स्थिति और भविष्य की रणनीति पर चर्चा करेंगे। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस का 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार से अभनपुर के चांदी मोड़ स्थित आशुतोष-अलका अग्रवाल मंगल भवन में शुरू हो चुका है। संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित इस शिविर में प्रदेशभर के नवनियुक्त जिला और शहर कांग्रेस अध्यक्ष शामिल हो रहे हैं।

महाराजा रणजीत सिंह की बरसी पर पाकिस्तान रवाना हुआ श्रद्धालुओं का जत्था

अमृतसर। शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की बरसी पर पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक सिख गुरुधामों के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रविवार सुबह शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) कार्यालय से रवाना हो गया। जत्थे की रवानगी से पूर्व धार्मिक मर्यादा के अनुसार अरदास की गई तथा श्रद्धालुओं को शुभकामनाओं के साथ विदा किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं और उनके परिजनों में विशेष उत्साह देखने को मिला। एसजीपीसी के अनुसार इस वर्ष 302 श्रद्धालुओं के पासपोर्ट वीजा के लिए भेजे गए थे, जिनमें से 290 श्रद्धालुओं को पाकिस्तान का वीजा प्राप्त हुआ। वीजा प्राप्त करने वाले सभी श्रद्धालु आज जत्थे के साथ पाकिस्तान के लिए रवाना हुए। यह जत्था पाकिस्तान स्थित विभिन्न ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के गुरुद्वारों के दर्शन करेगा तथा 30 जून को भारत वापस लौटेगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालु सिख इतिहास और गुरु साहिबान से जुड़े पवित्र स्थलों पर मत्था टेकेंगे। यात्रा पर रवाना होने से पहले श्रद्धालुओं ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपने धर्म और विरासत से जुड़े पवित्र स्थलों के दर्शन करने का अवसर मिला है, जो उनके लिए बेहद विशेष क्षण है। एक श्रद्धालु ने कहा कि प्रत्येक सिख की इच्छा होती है कि वह उन गुरुद्वारों में मत्था टेके, जहां सिख गुरुओं और महान विभूतियों की स्मृतियां जुड़ी हुई हैं। श्रद्धालुओं ने कहा कि वे लंबे समय से इस यात्रा का इंतजार कर रहे थे और अब यह अवसर मिलने से उनकी खुशी दोगुनी हो गई है। उन्होंने एसजीपीसी और संबंधित प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यात्रा के लिए किए गए प्रबंध सराहनीय हैं। रवाना होते समय श्रद्धालुओं के चेहरों पर आध्यात्मिक उत्साह और श्रद्धा स्पष्ट दिखाई दे रही थी। संगत ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाओं के साथ विदा किया और उनकी सुखद, सफल एवं चढ़दी कला वाली यात्रा के लिए अरदास की।

व्यूज एक्सचेंज की वार्षिक साधारण सभा भव्य रूप से संपन्न

वर्ष 2026-2027 के लिए सीए बिनय सिंघानिया अध्यक्ष एवं सीए चन्द्र भानु सिन्हा सचिव मनोनीत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कोलकाता। व्यूज एक्सचेंज की वार्षिक साधारण सभा शनिवार, 20 जून 2026 को द कॉन्क्लेव में गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पश्चिम बंगाल विधानसभा के स्पीकर सीए रथीन्द्र बोस उपस्थित रहे। कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाते हुए आईसीएआई के पूर्व अध्यक्ष सीए रणजीत अग्रवाल ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई तथा अपने अनुभव, विचारों और प्रेरणादायी मार्गदर्शन से सदस्यों को लाभान्वित किया। सभा का प्रारंभ पिछले वर्ष की उपलब्धियों की प्रस्तुति के साथ हुआ। संस्था की विभिन्न गतिविधियों, ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों, सदस्य सहभागिता और वार्षिक आय-व्यय का विवरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर वर्ष 2026-2027 के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। सीए बिनय सिंघानिया को अध्यक्ष, सीए चन्द्र भानु सिन्हा को सचिव तथा सीए अरिहंत मारूति को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके अतिरिक्त सीए नवीन सिंघल एवं सीए ज्योति मंडल को उपाध्यक्ष, सीए पल्लवी तोदी को सहायक सचिव तथा सीए रवि सुरेका को सह-कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। नवमनोनीत अध्यक्ष सीए बिनय सिंघानिया ने अपने संबोधन में आगामी वर्ष के लिए संस्था का विजन प्रस्तुत किया। उन्होंने समावेशी सदस्य सहभागिता, युवा पेशेवरों को नेतृत्व के अवसर, विद्यार्थियों के प्रोत्साहन, ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों तथा संस्था के विस्तार को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल बताया। इस अवसर पर Views Exchange Student Endowment Fund की शुरुआत की घोषणा की गई। इस फंड का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को CA, CS एवं CMA जैसी व्यावसायिक परीक्षाओं में सहायता प्रदान करना है। कार्यक्रम में प्रोफेशन के प्रति उल्लेखनीय योगदान के लिए श्री शांति स्वरूप गुप्ता को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय केटलबेल स्पोर्ट्स में 7वां गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर शिवानी शाह को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राय चंद सुराना, मुरारी लाल टौरिया, आर. सी. झंवर, के. के. छापड़िया, संजीब संघी, नितेश मोरे एवं गोविंद गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। नई कार्यकारिणी ने आगामी वर्ष में मर्जर एवं एक्विजिशन पर सर्टिफिकेट कोर्स, IBC एवं रियल एस्टेट पर पूर्णदिवसीय सेमिनार, वार्षिक सम्मेलन, आवासीय फेलोशिप कार्यक्रम, युवा वक्ताओं को मंच प्रदान करने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन वरिष्ठ सदस्यों के आशीर्वाद, सदस्यों के सहयोग और युवा पेशेवरों की सक्रिय भागीदारी के आह्वान के साथ हुआ।

कांग्रेस कार्यालय पर फायरिंग बेहद चिंताजनक, कानून व्यवस्था बिगड़ी:हुड्डा

एजेंसी, सूरत

रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आज विधायक बलराम सिंह दांगी के कांग्रेस कार्यालय का निरीक्षण किया। हुड्डा ने कांग्रेस कार्यालय पर हुई फायरिंग को बेहद चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा कि दांगी परिवार इलाके में संघर्ष का प्रतीक है। उनकी सुरक्षा से किसी भी तरह का खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। सरकार को तुरंत उन्हें विशेष सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए तथा जिन लोगों ने इस वारदात को अंजाम दिया है, उन्हें सजा सुनिश्चित करनी चाहिए।

इस मौके पर पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस के महम कांग्रेस कार्यालय पर हुई फायरिंग प्रदेश की जर्जर हो चुकी कानून-व्यवस्था का स्पष्ट प्रमाण है। फायरिंग, फिरौती, लूट, डकैती, हत्या, बलात्कार जैसी वारदातें इतनी आम हो गई हैं कि ये अब हरियाणा की जनता की दिनचर्या का हिस्सा बन गई हैं। हरियाणा में संगठित अपराध इस कदर बढ़ गया है कि आज प्रदेश में 50 से 60 गैंग सक्रिय हैं, जो न सिर्फ वारदातों को अंजाम देते हैं बल्कि नाम लेकर उनकी जिम्मेदारी भी लेते हैं। यानी उनके दिल में कानून का कोई भय नहीं है।

यही वजह है कि केंद्र सरकार द्वारा जारी सामाजिक प्रगति सूचकांक में हरियाणा को देश का सबसे असुरक्षित राज्य घोषित किया गया है। व्यापारी, कारोबारी, कर्मचारी, अधिकारी से लेकर राजनीतिज्ञ तक आज हर व्यक्ति खुद को असुरक्षित महसूस करता है। मुख्यमंत्री तो पगड़ी बाँधकर रोज पंजाब में निकल जाते है। सरकार का हरियाणा पर अब कोई फोकस नही है। इसलिए कहता हूं यह सरकार नॉन परफोर्मिंग सरकार है। हमने विकास के पैमाने पर नंबर एक बनाया था। आज केंद्र सरकार की रिपोर्ट्स में 14 वे नंबर पर पहुंच चुका है। आज बेरोजगारी,स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल स्टेडियम और कानून व्यवस्था में हरियाणा का बुरा हाल है।

कांग्रेस कार्यालय पर फायरिंग बेहद चिंताजनक, कानून व्यवस्था बिगड़ी:हुड्डा

एजेंसी, रोहतक

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आज विधायक बलराम सिंह दांगी के कांग्रेस कार्यालय का निरीक्षण किया। हुड्डा ने कांग्रेस कार्यालय पर हुई फायरिंग को बेहद चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा कि दांगी परिवार इलाके में संघर्ष का प्रतीक है। उनकी सुरक्षा से किसी भी तरह का खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। सरकार को तुरंत उन्हें विशेष सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए तथा जिन लोगों ने इस वारदात को अंजाम दिया है, उन्हें सजा सुनिश्चित करनी चाहिए।

इस मौके पर पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस के महम कांग्रेस कार्यालय पर हुई फायरिंग प्रदेश की जर्जर हो चुकी कानून-व्यवस्था का स्पष्ट प्रमाण है। फायरिंग, फिरौती, लूट, डकैती, हत्या, बलात्कार जैसी वारदातें इतनी आम हो गई हैं कि ये अब हरियाणा की जनता की दिनचर्या का हिस्सा बन गई हैं। हरियाणा में संगठित अपराध इस कदर बढ़ गया है कि आज प्रदेश में 50 से 60 गैंग सक्रिय हैं, जो न सिर्फ वारदातों को अंजाम देते हैं बल्कि नाम लेकर उनकी जिम्मेदारी भी लेते हैं। यानी उनके दिल में कानून का कोई भय नहीं है।

यही वजह है कि केंद्र सरकार द्वारा जारी सामाजिक प्रगति सूचकांक में हरियाणा को देश का सबसे असुरक्षित राज्य घोषित किया गया है। व्यापारी, कारोबारी, कर्मचारी, अधिकारी से लेकर राजनीतिज्ञ तक आज हर व्यक्ति खुद को असुरक्षित महसूस करता है। मुख्यमंत्री तो पगड़ी बाँधकर रोज पंजाब में निकल जाते है। सरकार का हरियाणा पर अब कोई फोकस नही है।

जांजगीर-चांपा के पांच सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को मिलेगी बैंकिंग, निवेश और साइबर सुरक्षा की व्यवहारिक शिक्षा

एजेंसी, जांजगीर-चांपा

विद्यार्थियों को वित्तीय रूप से सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जांजगीर-चांपा जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। जिले के पांच शासकीय विद्यालयों में जल्द ही वित्तीय प्रयोगशालाएं (फाइनेंशियल लैब) संचालित की जाएंगी। इसके प्रभावी संचालन और उपयोग के लिए आयोजित दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम में कलेक्टर जन्मेजय महोबे की उपस्थिति में प्रशिक्षित शिक्षकों ने वित्तीय प्रयोगशालाओं में संचालित होने वाली विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन भी किया।

फाइनेंशियल लैब एक अभिनव शैक्षणिक पहल है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को बैंकिंग, बीमा, बचत, निवेश, बजट निर्माण, उद्यमिता, उपभोक्ता अधिकार और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों की व्यवहारिक जानकारी दी जाएगी। खास बात यह है कि यह शिक्षा पारंपरिक कक्षा पद्धति के बजाय खेल, गतिविधियों, सिमुलेशन, भूमिका-अभिनय और वास्तविक जीवन से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से दी जाएगी, जिससे विद्यार्थी जटिल वित्तीय अवधारणाओं को आसानी से समझ सकेंगे।

जिले के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय अकलतरा, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बलौदा, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पामगढ़, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बिर्रा तथा पीएम श्री विद्यालय नवागढ़ में वित्तीय प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर जन्मेजय महोबे और आईडीबीआई बैंक के क्षेत्रीय एवं जोनलस्तर के वरिष्ठ अधिकारियों ने इन प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया और शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत गतिविधियों को देखा।

प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने विभिन्न मॉडल, खेल आधारित गतिविधियां और सिमुलेशन के जरिए यह प्रदर्शित किया कि विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता से जुड़े विषयों को किस प्रकार सरल, रोचक और प्रभावी तरीके से सिखाया जा सकता है। विशेषज्ञों ने बताया कि वित्तीय शिक्षा केवल धन प्रबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों में जिम्मेदार निर्णय लेने की क्षमता, समस्या समाधान कौशल और उद्यमशील सोच विकसित करने का भी माध्यम है। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कहा कि वर्तमान समय में वित्तीय साक्षरता एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल बन चुकी है। उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक जानकारी नहीं देंगी, बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन में वित्तीय निर्णय लेने की समझ भी प्रदान करेंगी।

राजस्थान के सीमांत क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने पर तेजी से चल रहा काम : रेल मंत्री

एजेंसी, बीकानेर

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा केंद्रीय विधि एवं न्याय एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को बीकानेर रेलवे स्टेशन से बीकानेर–लालगढ़–अमदावाद (साबरमती) एक्सप्रेस रेल सेवा का शुभारंभ करते हुए ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेल मंत्रालय द्वारा राजस्थान के सीमांत क्षेत्रों को मजबूत रेल नेटवर्क से जोड़ने की महत्वाकांक्षी योजना पर कार्य किया जा रहा है। इसके तहत बीकानेर, जैसलमेर, श्रीगंगानगर और बाड़मेर जिलों के अनेक गांवों को रेलवे सुविधा से जोड़ने का प्रकल्प हाथ में लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना की डीपीआर बनाने सहित विभिन्न प्रक्रियाएं प्रगति पर हैं। वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर के 1,300 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। अनेक स्टेशनों का कार्य पूर्ण हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि बीकानेर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए जून माह में पुनः टेंडर जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जैसलमेर सहित विभिन्न रेलवे स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किए गए हैं, जिनकी देश-विदेश के पर्यटकों द्वारा सराहना की जा रही है।

रेल मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प है। इसे साकार करने में सरकार के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक, युवा, किसान और महिलाओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने क्षेत्र में पूर्ण हो चुके तथा प्रगतिरत रेल दोहरीकरण कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि लालगढ़ से बीकानेर रेलवे स्टेशन तक भी रेल लाइन का दोहरीकरण किया जाएगा। वैष्णव ने नाल से पालना तक रेलवे बाईपास निर्माण की योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके बनने से मालगाड़ियों का शहर के भीतर आवागमन कम होगा, जिससे यातायात सुगम होगा और प्रदूषण में भी कमी आएगी। वैष्णव ने कहा कि बीकानेर से अमदावाद के लिए नई रेल सेवा प्रारंभ होने के बाद भविष्य में अन्य रेलगाड़ियों के संचालन की भी संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि रेल लाइनों के विद्युतीकरण और आधारभूत ढांचे के विस्तार के कारण आने वाले समय में रेलवे का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए 24 मॉडल कार्गो गति शक्ति टर्मिनल विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें बीकानेर क्षेत्र के आसपास छह कार्गो टर्मिनल शामिल हैं।

योग केवल सामान्य व्यायाम नहीं, बल्कि सुखी जीवन जीने की उत्कृष्ट शैली है

एजेंसी, सूरत

केंद्रीय मंत्री सी आर पाटिल ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति की विश्व को दी गई अमूल्य देन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से आज योग विश्वव्यापी जन आंदोलन बन चुका है। केंद्रीय मंत्री पाटिल रविवार 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गुजरात के सूरत स्थित सरसाना कन्वेंशन सेंटर में राज्य के खेल, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि विभाग के जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने योग, प्राणायाम और ध्यान का सामूहिक अभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए केंद्रीय मंत्री सी आर पाटिल ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति की विश्व को दी गई अमूल्य देन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से आज योग विश्वव्यापी जन आंदोलन बन चुका है। योग स्वास्थ्य, शांति और एकता का प्रतीक है तथा भाषा और सीमाओं के भेद को समाप्त कर मानवता को जोड़ने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि योग शरीर, मन और चेतना को एक सूत्र में बांधने का माध्यम है। यह केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और विज्ञान है। आज की अनियमित दिनचर्या, असंतुलित खानपान और बढ़ते मानसिक तनाव के दौर में योग एक प्रभावी औषधि का कार्य करता है। बिना किसी दवा के शरीर और मन को स्वस्थ रखने वाला योग प्रत्येक व्यक्ति की जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए। पाटिल ने कहा कि योग दिवस मनाने का उद्देश्य योग को घर-घर, विद्यालयों और कार्यस्थलों तक पहुंचाना तथा लोगों को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है।

जिसके पास योग से तपा शरीर है वहां रोग और बुढापा नहीं होते : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, झांसी

झांसी प्रवास के दूसरे दिन 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ऐतिहासिक झांसी किले की तलहटी में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हजारों लोगों के साथ योगाभ्यास किया। इस दौरान उन्होंने योग को स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार बताते हुए सभी से इसे अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को संतुलित रखने की भारतीय परंपरा है। उन्होंने कहा, "हमें नियमित योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। जिसके पास योग से तपा हुआ शरीर है, वहां न रोग होता है और न ही बुढ़ापा जल्दी आता है। इन समस्याओं से बचने के लिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना आवश्यक है।" अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने सूर्य की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सूर्य हम सभी की जीवंतता और ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है। वर्ष में दो बार होने वाले दुर्गा अनुष्ठान भी ऊर्जा साधना के महत्वपूर्ण काल होते हैं। उन्होंने कहा कि योग दिवस का उद्देश्य सूर्य की ऊर्जा को आत्मसात कर जीवन को नई दिशा देना है।

पानी की एक भी बूंद व्यर्थ न जाए, जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाएं : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी, लखनऊ

मुख्यमंत्री ने की मॉनसून, पेयजल एवं भूजल संरक्षण की समीक्षा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा है कि मौसम की अनिश्चितता और मानसून की संभावित अनियमितता को देखते हुए प्रत्येक प्रदेशवासी को जल संचयन एवं जल संरक्षण के प्रयासों से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि पानी की एक भी बूंद व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर संचालित 'कैच द रेन' अभियान को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए तथा वर्षाजल संचयन को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ा जाए।

रविवार को मौसम की स्थिति, मानसून की प्रगति, पेयजल आपूर्ति तथा भूजल संरक्षण से संबंधित कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। जलापूर्ति व्यवस्था निर्बाध एवं सुचारु बनी रहे तथा नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि संभावित कम वर्षा की परिस्थितियों को देखते हुए सभी विभाग अग्रिम तैयारियां सुनिश्चित करें।

बैठक में मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग के दीर्घावधि पूर्वानुमान के अनुसार वर्ष 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान उत्तर प्रदेश में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। पूर्वी एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश दोनों क्षेत्रों में जून से सितंबर तक वर्षा सामान्य से कम रहने के संकेत प्राप्त हुए हैं। जून माह में भी प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा तथा अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री ने सिंचाई, पंचायती राज, भूगर्भ जल विभाग, नमामि गंगे, राजस्व तथा कृषि विभाग को मिलकर एक समेकित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के प्रयास केवल विभागीय कार्यक्रमों तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें जनसहभागिता से जोड़ा जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि तालाबों और पोखरों में गांवों का गंदा पानी न जाने पाए।

22-06-2026 T.P. Page 8_Layout 1 22-06-2026 07:51 Page 1

खरीफ की प्याज लगायें

प्याज एक महत्वपूर्ण नगदी फसल है। हमारे देश में कुल सब्जी उत्पादन क्षेत्रफल के 11.4 प्रतिशत भू-भाग पर प्याज की खेती हो रही है व इसकी खेती से कुल सब्जी उत्पादन में 10.4 प्रतिशत का योगदान मिल रहा है। स्थानीय खपत के अलावा निर्यात भी किया जाता है। मध्य पूर्व के बाजारों में भारतीय प्याज की मांग विशेषकर इसकी अच्छी गुणवत्ता के कारण सदैव बनी रहती है।

भूमि

प्याज की खेती के लिए उपजाऊ बलुई दोमट या दोमट भूमि में उपयुक्त रहती है। खरीफ फसल हेतु खेत चयन में सावधानी रखें। खेत में उपयुक्त जल निकास की व्यवस्था हो।

किस्म

एन–53, एग्री फाउण्ड रेड डार्क,भीमा सुपर, भीमा डार्क रेड, भीमा रेड,भीमा सुभ्रा,अर्का कल्याण

भूमि की तैयारी

खेत की गहरी जुताई करके खेत को भुर–भुरा बना लेना चाहिये।

बीज दर

खरीफ फसल हेतु 12–15 कि. प्रति हेक्टे. बीज पर्याप्त रहता है।

बुवाई समय

नर्सरी में बुवाई का उपयुक्त समय मई–जून है।

नर्सरी तैयार करना

प्याज की नर्सरी हेतु उपजाऊ, जल निकास युक्त तथा सिंचाई की सुविधा युक्त भूमि का चयन करें। एक हेक्टेयर में प्याज लगाने हेतु 500 वर्ग मीटर में नर्सरी तैयार करनी चाहिये, नर्सरी क्यारी 1 मीटर चौड़ी व 15 सेमी. ऊंची बनाये। क्यारी में सिंचाई हेतु बूंद–बूंद सिंचाई का स्प्रिंकलर का उपयोग भी किया जा सकता है। अधिक गर्मी से बचाने के लिये शेड नेट का उपयोग किया जा सकता है।

रोपाई की दूरी

प्याज की पौध को पंक्तियों में 15–20 सेमी की दूरी पर तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी रखते हैं।

खाद एवं उर्वरक

खेत तैयार करते समय 25–30 टन प्रति हेक्टेयर गोबर की खाद मिट्टी में मिलाये तथा 130 किलो यूरिया+310 किलो फास्फोरस +100 किलो पोटाश+ 20किलो सल्फर प्रति हेक्टेयर रोपाई के पूर्व मिट्टी में मिलायें। शेष यूरिया 130 किलो प्रति हेक्टेयर को रोपाई में 30–40 दिन बाद में देना चाहिये।

पौध रोपण

वर्षा में रोपाई हेतु ऊंची क्यारी या मेड़ नाली पद्धति से ही पौध लगायें। जिससे जल निकास सुगमता पूर्वक हो सके।

जल प्रबंधन

साधारणत: खरीफ फसल हेतु सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती है, फिर भी वर्षा नहीं होने परखेत में नमी बनाये रखने हेतु हल्की सिंचाई करें। खरीफ प्याज में जल निकास का उचित प्रबंध करना महत्वपूर्ण है।

निंदाई-गुड़ाई

प्याज के अच्छे उत्पादन के लिये खेत का खरपतवारों से मुक्त रखें। अच्छी फसल के लिए शुरू में 2–3 बार खरपतवार निकालना आवश्यक है। खरपतवारनाशक के रूप में बासालिन 2–2.5 लीटर/हेक्टर रोपाई के तुरन्त बाद छिड़काव करें तथा 40–45 दिन बाद निंदाई–गुड़ाई करें।

प्याज की खुदाई

सामान्यत: रबी फसल में तैयार होने पर पत्तियों के शीर्ष पीले पड़कर सूख जाते हैं। तब सिंचाई रोक दें तथा इसके 10–15 दिन बाद सिंचाई करें। खरीफ मौसम में पत्तियां गिरती नहीं हैं अत: गांठों का आकार 6–8 सेमी. व्यास का हो जायें तो पत्तियों को पैरों से जमीन पर गिरा दें। जिससे पौधों की वृद्धि रुक जाये तथा गांठें ठोस हो जाएं। इससे 15 दिन बाद खुरपी से खुदाई करें। खुदाई के बाद कंदों को पत्तों सहित 3–5 दिन तक छाया में रखें, इसके बाद 2.0–2.5 सेमी, डंठल छोड़कर पत्तों को काटें तथा अच्छी तरह सुखा लें।

उपज

200–250 क्वि/हेक्टेयर तक उपज मिल जाती है।

जलवायु

प्याज के लिए समसीतोष्ण जलवायु सर्वोत्तम समझी जाती है, प्याज मूलरूप से सर्दी में उगाया जाता है, लेकिन खरीफ की किस्में प्राप्त होने पर उनको खरीफ में भी लगाया जाने लगा है। सर्वोत्तम पैदावार के लिये 15–21 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान तथा 10 घंटे वाले लम्बे दिन उपयोगी है।

पौध नर्सरी महिलाओं आय का स्त्रोत

पौध तैयार करने के लिए वैज्ञानिक सूझ-बूझ का ध्यान दें ताकि मेहनत, लागत, खर्च व समय की बचत हो सके।

स्थान एवं भूमि का चुनाव

- अच्छी नर्सरी के लिए उचित जल निकास वाली बलुई दोमट भूमि अच्छी होती है।
- क्यारी का चयन ऊंचे स्थान पर करें जहां पर पानी का जमाव बिल्कुल न हो। इसके साथ ही प्रत्येक वर्ष पौधशाला नई जगह पर उगायें।
- सूर्य के प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था हो तथा सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था हो।
- आवास से कम दूरी पर नहीं हो ताकि पौधशाला की देखरेख व निरीक्षण समय-समय पर हो सके।

नर्सरी में पौध तैयार करने की विधि

अ : पॉली बैग में पौध तैयार करना - इस विधि के लिए 200 गेज मोटी पालीथिन शीट के बने 20×10 सेमी आकार वाले पाली बैगों की आवश्यकता होती है। इन पालीबैगों में नीचे तथा बगल में छेद कर दें। जिससे वायु का संचार व उचित जल निकास बना रहता है। इन थैलियों में छनी हुई सड़ी गोबर की खाद तथा मोटी बालू का समानुपाती मिश्रण भरा जाता है मिश्रण भरने से पहले मिट्टी का निजर्मीकरण कर लिया जाता है। कद्दूवर्गीय (करेला, लौकी, स्कवाश, कद्दू, तरबूज आदि) बीजों का आवरण सख्त होने के कारण बोने से पहले रातभर पानी में भिगा दें। प्रत्येक बैग में आधा से एक सेमी की गहराई पर दो से तीन बीज बोकर हल्की सिंचाई कर दें मुख्यतः वर्षा ऋतु में पौध तैयार करने के लिए 3 से 5 मीटर चौड़ी तथा जमीन की सतह से 15 से 20 से.मी. ऊंची उठी हुई क्यारियों के बीच में 30 से.मी. स्थान अवश्य छोड़ें इससे वर्षा का पानी इस स्थान से होता हुआ बाहर निकल जाता है तथा क्यारी ऊंची करने के लिए मिट्टी इसी स्थान से मिल जाती है। इसके साथ-साथ खरपतवार निकालने और कीट व फफूंदनाशक दवा के प्रयोग करने में सुविधा होती है।

बीजोपचार
बीजों को 2 ग्राम थाइरम कैप्टान तथा 1 ग्राम बाविस्टीन प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित कर बोयें।

मृदा सौर्यन या आतपन द्वारा

यह निजर्मीकरण की सबसे सस्ती विधि है। इस विधि में क्यारियां बुवाई के 7.8 सप्ताह पूर्व तैयार की जाती है तथा इनको पानी से पूरी तरह तर करके नम करते हैं। इसके पश्चात 200 से 300 गेज मोटी पारदर्शी प्लास्टिक से क्यारियों को चारों तरफ भली-भांति ढककर गीली मिट्टी से दबाकर वायुरोधित कर देते हैं। इस प्लास्टिक आवरण को 7.8 सप्ताह पश्चात एवं बीज बोने से 2.3 दिन पूर्व ही हटायें। यह विधि उसी दशा मे पूर्णतया प्रभावकारी होती है। जब दिन का तापमान 35 से 40 डिग्री सैल्सियस या इससे अधिक हो तथा मौसम शुष्क एवं सूर्य चमकदार हो। पौधशाला में आर्द्रगलन बीमारी अधिक लगती है। इस बीमारी की रोकने के लिये ट्राईकोडर्मा 6-8 ग्राम 1 किग्रा बीज के लिये ओर 10-20 ग्राम 1 कि.ग्रा. कम्पोस्ट या गोबर की खाद मिलाकर एक वर्गमीटर मृदा के शोधन के लिए प्रयोग करें।

नर्सरी से उपज व आमदनी

पौध नर्सरी की 3×10 मीटर क्षेत्र में नर्सरी स्थापना (भूमि की तैयारी, समतलीकरण, क्यारियों का निर्माण, पौध संरक्षण दवायें, बीज, गोबर खाद हेतु) के प्रारम्भ में लगभग 3000 रुपये व्यय आता है जो बाद में 2000-3000 प्रति 30 वर्ग मीटर आता है जिससे 2,00,000 पौधे प्राप्त किये जा सकते है सब्जियों की पौध बिक्री 25 रू.प्रति सैकड़ा करने से 8000-10000 रुपये की आमदनी होती है।

ऊंची उठी हुई क्यारी विधि

मुख्यतः वर्षा ऋतु में पौध तैयार करने के लिए 3 से 5 मीटर चौड़ी तथा जमीन की सतह से 15 से 20 से.मी. ऊंची उठी हुई क्यारियों के बीच में 30 से.मी. स्थान अवश्य छोड़ें इससे वर्षा का पानी इस स्थान से होता हुआ बाहर निकल जाता है तथा क्यारी ऊंची करने के लिए मिट्टी इसी स्थान से मिल जाती है। पौधशाला का स्थान थोड़ा ऊंचाई व ढालू हो ताकि वहां पानी न भरे। सूर्य का प्रकाश पूरे दिन मिले। 1 वर्ग मी. में 2 किग्रा. पकी गोबर की खाद तथा भारी मिट्टी में 2-3 किग्रा. बालू मिला दें। मिट्टी में फफूंद नाशक जैसे कैप्टान 5-6 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल कर मिट्टी तर कर दें। इसी प्रकार कीटनाशक के रूप में फ्यूराडान की 5 ग्राम मात्रा प्रति वर्ग मीटर पौधशाला की क्यारी में मिलायें।

सुअर पालन लाभ का व्यवसाय

सूअर पालन किन्हें करना चाहिए?

- छोटे एवं भूमिहीन किसान, आंशिक कार्य के तौर पर शिक्षित बेरोजगार लोगों के लिए आय का अच्छा साधन है।
- अशिक्षित महिलाओं एवं युवाओं के लिए सुअर पालन अच्छा व्यवसाय है।

प्रजातियां– वृहद श्वेत यार्कशायर, लेण्डरेस, मध्य श्वेत यार्कशायर–

प्रजनन के लिए सन्तति का चयन

सुअरों का अच्छा समूह विकसित करने के लिए निम्न विशेषताएं होनी चाहिए–

- सुअर में बच्चे पैदा करने की ताकत, जैव शक्ति एवं दूध उत्पादन की क्षमता होनी चाहिए।
- प्रत्येक किसान को सुअर का समूह पालने के पूर्व जांच करें कि सुअर विश्वसनीय और रोगमुक्त हो। इस प्रकार की जानकारी ले लेना चाहिए। एक बार सुअरों का समूह स्थापित होने के बाद, मादा एवं पर सुअरों का प्रतिस्थापन, संकरण करें।
- जब मादा सुअर को प्रजनन समूह में रखना हो तब उसका वजन करीब 90 किलोग्राम हो।
- वयस्क मादा सुअरों का चयन करते समय देखें कि उनकी मॉ अधिकांश बच्चे बयाने वाली हो।
- बाजार की मांग के अनुरूप हो, कम से कम समय में अधिक वजन प्राप्त हो।
- यह वांछनीय है कि मादा सुअर से मेटिंग करे और प्रतिदिन उनका वजन बढ़ें। साथ ही दाना मांस में परिवर्तित करने की क्षमता हो।

किसी भी ब्रीडिंग फार्म के लिए नर सुअरों का चयन अत्यंत महत्वपूर्ण है। नर सुअर सदैव ब्रीडर फार्म से खरीदें जिन्हें इनके बारे सही जानकारी हो। नर सूअर सदैव ऐसे हो कि अच्छी किस्म की मादा से पैदा हुए हों, जो अत्यधिक बच्चे पैदा करती हो। दूध छोड़ने के बाद सूअर का वजन 90 किलोग्राम हो।

खाद्य आहार प्रबंधन

- सबसे सस्ते खाद्य आहार घटकों का इस्तेमाल हो।
- मक्का, ज्वार, बाजरा, गेंहू , चावल आदि का प्रयोग हो।
- प्रोटीन घटकों में आयल केक, मछली का चूना खली हो।
- सुअर सदि बाहर घास चरते हैं तो उन्हें कोई भी विटामिन घटक देने की जरुरत नहीं है, यदि उन्हें पशु प्रोटीन नहीं देते हैं, तब विटामिन बी 12 का घटक दें।
- प्रति किलो राशन में 11 मिलीग्राम एंटीबायोटिक का मिश्रण दें।
- खनिज मिश्रण का पर्याप्त मिलान हो सभी प्रकार के दानों का मिश्रण पिसा हुआ हो गीला दाना नहीं पिसाना चाहिए, सूखा दाना पिसाई करना चाहिए। गीली पिसाई में अधिक समय व श्रम लगता है। यदि दाने में फाइबर अधिक है, तो पेलेटेड दाना बनाना चाहिए। पेलेटेड दाने से आहार की बर्बादी रुक जाती है।

सुअरों का अच्छा समूह विकसित करने के लिए निम्न विशेषताएं होनी चाहिए–

- सुअर के लीटर की ताकत एवं जैव शक्ति, दूध उत्पादन की क्षमता।
- लाभ, दाना परिवर्तित करने की क्षमता।

नर व मादा सुअरों का प्रतिस्थापन के दौरान मुख्य बिन्दुओं का ध्यान रखें

- सुअर की मां हमेशा 8 से अधिक बच्चे पैदा करने वाली रही हो। दूध छोड़ने के समय (56 दिन) मादा सूअर का वजन 120 किलोग्राम से कम न हो। नर व मादा दोनों ही 6 माह में 90 किलोग्राम वजन प्राप्त कर लें।
- सुअर का शरीर पर्याप्त लम्बाई और गहराई वाला हो एवं कसा हुआ मांसल शरीर हो।
- सुअर का पैर व पजें मजबूत हो। सुअर का पिछला हिस्सा मांसल सुअर की वसा का मात्रा को इंगित करता है जैसे कि मादा सुअर में 4 सेमी मोटाई का पिछला हिस्सा मांसल हो, एवं नर सुअर में 3.2 सेमी पिछला हिस्सा होना चाहिए।

- मादा सुअर में 12 की संख्या में कार्यशील चुचुक हो। बंद चुचुक वाले जानवर नहीं पालने चाहिए, क्योंकि इनसे दूध नहीं निकलता है, और यह दोष अनुवांशिक भी होता है।
- चयन के दौरान ब्रसेल और लेपटोस्पयरा का टीका लगा होना चाहिए।
- सुअर सभी प्रकार की संक्रामक बीमारियों से मुक्त हो।